दणोबेनच्यू ज

Tublished from Renchi



अस्पताल पहुंचीं और शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली। राष्ट्रपति ने चिकित्सकों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उनके स्वास्थ्य के बारे में हेमंत सोरेन से भी जानकारी ली। हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन भी वहां मौजूद थे।



आज रांची लौट सकते हैं सीएम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दो दिन पहले ही दिल्ली पहुंचे हैं। पहले संभावना जताई जा रही थी कि वह मुरुवार शाम रांची लौट सकते हैं, लेकिन गुरुजी की स्थिति को देखते हुए अब उनका

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, शिबू सोरेन की तबीयत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। चिकित्सकों का कहुँना है कि अगले तीन से चार दिनों तक इंतजार करना होगा, उसके बाद ही उनकी स्थिति को लेकर कोई ढोस जानकारी दी जा सकेगी।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

पहुंचे शुभांशु शुक्ला सहित

चार अंतरिक्ष यात्री

: 83,755.87 : 25,549.00

9,250 चांदी 120.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नहीं रहे चर्चित हास्य कवि डॉ. सुरेंद्र दुबे

RAIPUR: गुरुवार को छत्तीसगढ़ से एक दुखद खबर सामने आई। अपनी हास्य कविताओं और तीखे व्यंग्य से देशभर के लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे



समय से इलाज चल रहा था। गुरुवार दोपहर हृदय गति रुक जाने के कारण उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से पूरे छत्तीसगढ़ सहित देश के साहित्यिक और राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। कवि डॉ. सुरेंद्र दूबे को जमशेदपुर व झारखंड के अन्य शहरों के लोग व खासकर साहित्य प्रेमी कभी नहीं भलेंगे। यहां कई हास्य कवि सम्मेलनों में जमशेदपुरवासियों को कवि सुरेंद्र दुबे को सुनने का अवसर मिल चुका है। उनके चुटीले अंदाज, उनकी कविताएं आज भी यहां के साहित्य प्रेमियों की जुबां पर हैं।

डीजीपी अनुराग गुप्ता को मिलेगी प्रोविजनल पे-स्लिप

RANCHI : झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता को प्रोविजनल पे-स्लिप मिलेगी। महालेखाकार ने इससे संबंधित आदेश और पे-स्लिप जारी कर दिया है। हालांकि इसमें शर्त यह है कि कोर्ट का फैसला अगर अनुराग गप्ता के खिलाफ आता है, तो वेतन की रिकवरी की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाए जाने को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में मामला चल रहा है। केंद्रीय गह मंत्रालय ने भी अनुराग गुप्ता की सेवा को 30 अप्रैल 2025 तक ही माना है। इसके बाद से उन्हें सेवानिवृत्त माना जा रहा है। मंत्रालय ने इससे संबंधित पत्र भी झारखंड सरकार को लिखे थे। इस पत्र के जवाब में राज्य सरकार ने गह मंत्रालय को बताया है कि डीजीपी पद पर अनुराग गुप्ता की नियुक्ति झारखंड सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार की गई है।

पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज करने का राजनाथ ने उटाया मुद्दा

एससीओ डॉक्युमेंट पर भारत का सिग्नेचर करने से इनकार

गुरुवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम आतंकवादी हमले को नजरअंदाज करने और पाकिस्तान समर्थित सीमा पार आतंकवाद पर भारत की चिंताओं को स्पष्ट रूप से संबोधित नहीं करने को लेकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। मामले से परिचित व्यक्तियों ने बताया कि एससीओ आम सहमति के तहत काम करता है, लिहाजा वक्तव्य का समर्थन करने से सिंह के इनकार के परिणामस्वरूप एससीओ रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन संयक्त वक्तव्य जारी किए बिना ही समाप्त हो गया। जानकारों ने कहा कि मसौदा वक्तव्य में न तो पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख किया गया और न ही सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत के रुख का जिक्र किया गया।

रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य जारी किए बिना ही हो गया समाप्त सीमा पार आतंकवाद

को लेकर भारत के रुख का संयुक्त वक्तव्य में नहीं किया गया था

आतंकवाद को समर्थन देने के लिए रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को किया

> अपने अधिकार का आतंकियों के खिलाफ

चीनी रक्षा मंत्री के साथ द्धिपक्षीय वार्ता में हॉटलाइन फिर से शुरू

करने पर हुई चर्चा

ऑपरेशन सिंदूर



दोहरे मानदंडों के लिए नहीं होनी चाहिए कोई जगह

सम्मेलन में अपने संबोधन में सिंह ने सीमा पार आतंकवाद को लगातार समर्थन देने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की तथा आतंकवाद के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को नीति के एक साधन के तौर पर इस्तेमाल

करते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये खतरे सभी देशों के सामने हैं और इनसे निगटने के लिए गारदर्शिता आए विश्वास और सहयोग पर आधारित एकीकत प्रयासों की जरूरत है।

उन्हें अस्वस्थ माना जाता है और किसी को दर्शन नहीं देते। लेकिन,

नेत्रदान के दिन विशेष पूजा और

शुभ और पवित्र माना जाता है।

अनुष्ठानों के बाद भगवान भक्तों के लिए

सुलंभ हो जाते हैं। इस दिन को अत्यंत

चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता

बुधवार को किंगदाओ पहुंचे रक्षा मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति में बदलाव की व्यापक रूपरेखा रखी और एससीओ सदस्य देशों से आतंकवाद से लड़ने के लिए एकजुट होने तथा दोहरे मानदंडों को त्यागर्ने का आग्रह किया। सम्मेलन में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री खाजा आसिफ और चीनी रक्षा मंत्री डोंग जून भी शामिल हुए। सिंह ने कहा, शांति व समृद्धि आतंकवाद और सरकार से इतर तत्वों तथा आतंकवादी समहों के हाथों में सामुहिक विनाश के हथियार देने की नीति साथ नहीं चल सकते। उन्होंने कहा, इन चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है।

4:01 बजे उत्तरी अटलांटिक

महासागर के ऊपर से गुजर रहा था। यह पहली बार है जब कोई अंतरिक्ष आईएसएस की यात्रा पर गया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक बयान में कहा, गुरुवार को सुबह 6:31 बजे (भारतीय समयानसार शाम 4:01 बजे) एक्सिओम मिशन-4 के तहत स्पेसएक्स डैगन अंतरिक्ष यान चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष

NEW DELHI @ PTI

गुरुवार को अंतरिक्ष यान ड्रैगन के

अंतरिक्ष प्रयोगशाला से जुड़ने के

साथ ही भारतीय अंतरिक्ष यात्री

शभांश शक्ला और तीन अन्य

यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष

स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गए।

अंतरिक्ष स्टेशन से जड़ा जब यह

भारतीय समयानुसार अपराह्न

अंतरिक्ष यान उस समय

गई डॉकिंग प्रक्रिया अपराह्न 4:15 बजे पूरी हुई। अंतरिक्ष यान और आईएसएस के बीच संचार और ऊर्जा संपर्क स्थापित होने के साथ ही डॉकिंग

प्रक्रिया पूरी हो गई।

भारतीय समयानुसार

अपराह्न ४:01 बजे

महासागर के ऊपर

आईएसएस से जुड़ा

यह पहली बार है,

जब आईएसएस की

भारतीय अंतरिक्ष यात्री

यात्रा पर गया कोई

नासा के लाइव

वीडियो में अंतरिक्ष

स्टेशन के पास आते

दिखा अंतरिक्ष यान

संचार और ऊर्जा

संपर्क स्थापित होने

के साथ ही पूरी हो

उत्तरी अटलांटिक

से गुजरते वक्त

ड्रैगन

अहमदाबाद प्लेन क्रैश

ब्लैक बॉक्स का डेटा किया गया रिकवर

AHMEDABAD : अहमदाबाद में (एनालिसिंस) करेगी। इससे हादसे

के कारणों का • मेमोरी पता चलेगा। मॉड्यूल को भी उड़्यन मंत्री किया गया एक्सेस, इससे जांच के लिए हादसे के कारणों का पता

इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, क्रैश प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स (सीवीआर और डीएफडीआर) सेट मिले हैं। इनमें हादसे के समय पायलटों की बातचीत और विमान की तकनीकी जानकारी का रिकॉर्ड मिलेगा। पहला सेट 13 जून को और दूसरा 16 जून को बरामद किया गया। अहमदाबाद में 12 जून को लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। इसमें सवार 241 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक यात्री

12 जून को क्रैश हुए एयर इंडिया विमान के ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर कर लिया गया है। सरकारी बयान में गरुवार को बताया गया कि डेटा डाउनलोड हो गया है। मेमोरी मॉडयुल का एक्सेस भी मिल गया है। अब जांच एजेंसी ब्लैक बॉक्स से रिकवर हुए डेटा का विश्लेषण

इससे पहले 24 जून को नागरिक राममोहन नायडू ने बताया था कि ब्लैक बॉक्स को विदेश नहीं भेजा जा रहा। इसकी जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट चलेगा

की जान बच गई थी।

शक्ला एक्सिओम-४ के लिए मिशन पायलट

अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन मिशन कमांडर हैं और शुक्ला एक्सिओम-४ मिशन के लिए मिशन पायलट हैं। इनके अलावा, हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू एवं पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की एक्सओम-४ मिशन का हिस्सा हैं। लखनऊ में जन्मे ३९ वर्षीय शुक्ला अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरने वाले

स्टेशन पर पहुंचा। नासा के एक

लाइव वीडियो में अंतरिक्ष यान

को अंतरिक्ष स्टेशन के पास आते

हए दिखाया गया और डॉकिंग

प्रक्रिया भारतीय समयानुसार

दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। इससे 41 साल पहले भारत के राकेश शर्मा १९८४ में तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन के तहत कक्षा में आठ दिन रहे थे। पोलैंड के इंजीनियर स्लावोज एक मिशन विशेषज्ञ और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष

एंटी करप्शन ब्यूरो ने की ताबड़तोड़ कार्रवाई धनबाद और लोहरदगा में रिश्वत लेते २ सरकारी कर्मचारी गिरफ्तार

गुरुवार को झारखंड में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 2 सरकारी कर्मचारियों को रिश्वत

लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एक कर्मचारी को धनबाद से गिरफ्तार किया गया है, तो दूसरे को लोहरदगा से। धनबाद में एलआरडीसी कार्यालय में पदस्थापित कंप्युटर ऑपरेटर अनीश कुमार को एसीबी की टीम ने 15 हजार रुपये रिश्वत गिरफ्तार किया है। अनीश पर आरोप है कि वह एक व्यक्ति से जमीन से संबंधित मामले में घुस मांग रहा था। इधर, विशेष प्रमंडल लोहरदगा के नाजिर वरुण कुमार को रांची एसीबी की टीम ने



• कंप्यूटर ऑपरेटर अनीश कुमार 15 हजार रुपये घूस लेते अरेस्ट

• विशेष प्रमंडल का नाजिर ₹4 हजार लेते धराया

रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एंटी करप्शन ब्यूरो अधिकारियों ने उसे 4 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आगे की जांच जारी है।

झारखंड में सामान्य से 92 प्रतिशत अधिक बारिश

राजधानी सहित आसपास के इलाकों में सुबह से ही रुक-रुक कर होती रही वर्षा

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड में अब तक सामान्य से अधिक मानसून की बारिश दर्ज की गई है। राज्य में अब तक सामान्य से औसत 92 प्रतिशत अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी है। मौसम विभग के आंकड़ों के अनुसार एक जून से 25 जन तक झारखंड में 139.9 मिमी के मकाबले 268.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। राज्य में सबसे अधिक बारिश राजधानी रांची में दर्ज की गई है। यहां सामान्य से 231 मिनी बारिश

139.9 मिमी के मुकाबले 268.7 मिमी रिकॉर्ड की गई है वर्षापात

29 जुन तक बारिश होने की संभावना

झारखंड के जिन जिलों में अब तक अच्छी बारिश दर्ज की गई है उनमें लातेहार में खरसावां में 157.9 की तुलना में 400

130 के मुकाबले 422.6 मिमी, लोहरदगा में 146.2 की तलना में 388.2. रामगढ में 147 .2 के मुकाबले 357 .4, सरायकेला– मिमी, खूंटी में 150.9 मिमी की तुलना में 287 .9 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इधर,

रिकार्ड की गई है, जबकि सबसे प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई कम बारिश राज्य में देवघर जिले है। रांची में 146.4 के मुकाबले में हुई है। यहां पर सामान्य से 14 484.4 मिमी बारिश दर्ज की गई

है। वहीं देवघर में 136.8 मिमी की तुलना में 117.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है।

राजधानी रांची सहित आसपास के इलाकों

में गुरुवार को भी सुबह से रुक- रुक

कर बारिश होती रही। मौसम विभाग के

अनुसार राज्य भर में 29 जून तक बारिश

होने की संभावना है। कहीं– कहीं भारी

बारिश होने और 30-40 किमी प्रति घंटे

आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है।

की रफ्तार से तेज हवा चलने तथा

गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद का खुला रास्ता

बड़ी उपलब्धि कंप्यूटर टेक्नोलॉजी से कंट्रोल किए जाएंगे सूक्ष्म जहरीले कण

तकनीकी दृष्टि से बीमारियों के इलाज के लिए वैज्ञानिक रोज नए अनुसंधान कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, हवा में ऐसे जहरीले कण पाए जाते हैं, जो बड़ी बीमारियां पैदा करते हैं। इनकी दशा और प्रभाव का आकलन अब तक बहुत मुश्किल था। हाल में 💙 वैज्ञानिकों ने हवा में घुले खतरनांक ऐसे सूक्ष्म कणों की निगरानी के लिए एक नई कंप्यूटर तकनीक विकसित की है, जो बेहद बारीकी से यह पता लगाएगी कि ये कण कैसे और किस दिशा में आगे बढ़ते हैं। अब तक इन नन्हे कणों के व्यवहार को समझना मुश्किल था, क्योंकि ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि शरीर के अंदर तक पहुंच जाते हैं और हृदय रोग, स्ट्रोक और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। नई तकनीक की मदद से अब वैज्ञानिक यह बहुत तेजी और सटीकता से जान पाएंगे कि ये कण हवा में कैसे तैरते हैं, किन रास्तों से शरीर तक पहुंचते हैं और वहां जाकर कैसे असर डालते हैं। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल फिजिक्स में प्रकाशित एक शोध अध्ययन में कहा गया है कि वर्तमान में जिस जांच प्रक्रिया में हफ्तों लगते हैं.

उन्हें कुछ ही घंटों में पूरा किया जा सकता है।

अब तक इन माइक्रोस्कोपिक पार्टिकल्स के प्रभाव को समझना था मुश्किल हृदय रोग, स्ट्रोक और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का कारण बनते हैं ये कण कणों के हवा में तैरने व 📏 नाक या शरीर की

नई तकनीक यह पता लगाएगी कि कैसे और किस दिशा में आगे बढ़ते हैं ये पार्टिकल जर्नल ऑफ कंप्यूटेशनल फिजिक्स में विस्तार से प्रकाशित की गई है शोध संबंधी रिपोर्ट



हो सकेगी सटीक

<u>निगरानी</u>

मानव शरीर तक पहंचने की स्थिति का किया गया है विश्लेषण

सामान्य सुरक्षा को पार कर फेफड़ों और खून में घुस सकते हैं ये कण

धीरे-धीरे सेहत पर पड़ता है घातक असर

शोधकर्ताओं का कहना है कि हवा में जो कण होते हैं, वे इतने छोटे होते हैं कि हमारी नाक या शरीर की सामान्य सुरक्षा को पार करके सीधे फेफड़ों और खून में घुस सकते हैं। ऐसे कणों का अंसर धीरे-धीरे होता है, लेकिन बहुत

घातक होता है। इन्हें देखकर यह जान पाना कि वे कैसे फैलते हैं, अब तक आसान नहीं था। इस नई तकनीक से अब यह काम मुमकिन हो सकेगा। यह तंकनीक वायु प्रदूषण की सटीक निगरानी करेगी।

पलामू टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया सिल्ली से रेस्क्यू किया गया बाघ

रांची से गुरुवार की सुबह छह बजे पहुंचा पीटीआर, जांच में पाया गया स्वस्थ

PHOTON NEWS PALAMU: गया। मौके पर पलाम् टाइगर रिजर्व रांची जिला अंतर्गत सिल्ली के मारदु गांव से रेस्क्यू किए गए बाघ को पलामू टाइगर रिजर्व के जंगल में छोड़ दिया गया है। इसके पहले पलाम् टाइगर रिजर्व के दोनों उप निदेशक कुमार आशीष व प्रजेशकांज जेना के नेतृत्व में टीम पिंजड़े में बंद बाघ को वाहन से लेकर गुरुवार की सुबह छह बजे पलामू टाइगर रिजर्व पहुंची। यहां गुरुवार की सुबह सात बजे के करीब जंगल में छोड़ दिया गया। वाहन पर लदे केज का दरवाजा गया। हालांकि, पलाम् टाइगर

रिजर्व प्रबंधन ने सरक्षा कारणों का

हवाला देते हुए बाघ को छोड़े जाने

अंतर्गत दक्षिणी प्रमंडल के उपनिदेशक कमार आशीष, उतरी प्रमंडल के उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना, गारु पश्चिमी के रेंजर उमेश दुबे समेत वनपाल व वनरक्षी भी

सिल्ली से पलामू टाइगर रिजर्व आने के दौरान रांची में बाघ के स्वास्थ्य की जांच की गई। इसमें

जांच में बाघ को पांच साल का युवा बताया गया। उसे लाने के लिए पलाम टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने परी तैयारी की थी। जहां बाघ को छोड़ा गया, वहां से उसके मवमेंट वाले इलाके पर अतिरिक्त 50 कैमरे लगाए गए हैं, जिससे



जंगल में जाता बाघ

बाघ के मुवमेंट पर निगरानी रखा में बाघ के गले में कॉलर-आईडी जा सके। प्रबंधन आने वाले दिनों लगाने का विचार कर रहा है।

अंततः अपने घर लौटा बाघ

रांची जिला के सिल्ली से रेस्क्यू किया गया बाघ दो साल बाद अपने घर लौट आया। दरअसल यह बाघ पलाम् टाइगर रिजर्व का ही है। यह बाघ साल 2023 में पलामू टाइगर रिजर्व के पलामू किला इलाके में देखा गया था। उसके बाद यह हजारीबाग, चतरा के बाद गुमला होते हुए बंगाल के पुरुलिया तक गया था। वहां से वापस लौटने के दौरान यह काफी दिनों तक खुंटी जिला में रहा। खुंटी के बाद पलामू टाइगर रिजर्व के रास्ते में घनी आबादी होने के कारण यह सिल्ली की ओर चला गया था। जहां मारदू गांव में यह एक किसान के घर में घुस गया था, जहां से उसका रेस्क्यू कर वापस पीटीआर में छोड़

रांची जिला अंतर्गत सिल्ली के मारद् गांव से रेस्क्यू किए गए बाघ को गुरुवार की सुबह पलामू टाइगर रिजर्व में छोड़ दिया गया है। इसके पहले उसके स्वास्थ्य की जांच कराई गई। जिसमें बाघ को पूरी तरह से स्वस्थ बताया गया। प्रबंधन बाघ के मुवमेंट पर नजर रखेगा।

क्षेत्र निदेशक सह मुख्य वन संरक्षक, पलामू टाइगर रिजर्व

कुएं में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

जिला के दारू थाना क्षेत्र अंतर्गत झुमरा डिपो चौक के जोनिहया मोड के समीप एनएच-522 किनारे स्थित एक कुएं में गुरुवार को एक 25 वर्षीय युवक की शव मिलने से इलाके में हड़कम मच गई। मतक की पहचान हजारीबाग कॉपोरेंट कॉलोनी हुरहुरु निवासी चंदन कमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनसार चंदन अपने

चचेरे भाई मुकेश यादव के साथ सोन पहाडी पजा के लिए गया था। लौटते समय झुमरा डिपो चौक के समीप दो अज्ञात स्कूटी सवार युवकों से बकझक शुरू हुई। इसके बाद भीड़ बढ़ने लगी इसी क्रम में दोनों के बीच मारपीट शुरू

मारपीट के दौरान मुकेश यादव ने बताया कि मैं झुमरा की ओर भाग निकला और चंदन दूसरी ओर भाग निकला। कुछ समय बाद जब मैं चंदन को फोन लगाया तो स्विच ऑफ आया उसके बाद खोजबीन मैंने शुरू कर दिया नहीं मिलने पर



परिजनों को सूचना दी गई और थाना को भी अवगत कराया गया। गुरुवार को जब परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तो कुएं में दो चप्पल तैरते दिखाई दिए, जिसे मतक की मां ने पहचान लिया। इसकी सूचना परिजनों ने दारू थाना को दिया। थाना प्रभारी शफीक खान दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुधवार रात करीब 11 बजे झगड़े की आवाज आ रही थी और सभी यवक नशे में धत थे। पुलिस पुरे मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी

BRIEF NEWS

शेख भिखारी अस्पताल की टीम कर रही मरीजों की सहायता



HAZARIBAG: हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश पर मरीजों एवं उनके परिजनों की सहायता के लिए एक नई और सराहनीय पहल की गई है। अस्पताल प्रशासन द्वारा 'मे आई हेल्प यू' टीशर्ट पहने विशेष स्वास्थ्य कर्मियों की एक टीम तैनात की गई है, जो ओपीडी, इमरजेंसी एवं अन्य विभागों में आने वाले मरीजों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान कर रही है। इस पहल का उद्देश्य मरीजों को अस्पताल परिसर में उचित जानकारी उपलब्ध कराना, विभागों तक पहुंच सुनिश्चित करना तथा बुजुर्ग, दिव्यांग एवं असहाय मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर मदद देना है। यह टीम न केवल मरीजों का मार्गदर्शन कर रही है, बल्कि उन्हें पंजीयन, जांच, दवा वितरण एवं विभिन्न विभागों में सहयोग भी प्रदान कर रही है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि यह पहल मरीजों की सुविधा और अस्पताल सेवा प्रणाली को और बेहतर एवं संवेदनशील बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नशा मुक्ति के लिए चंदवा में निकली रैली



LATEHAR: लातेहार जिले के चंदवा में गुरुवार को नशा मुक्ति के लिए रैली निकाली गई। जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार के निदेशानुसार एकमे एजुकेशन की बच्चियां चंदवा के इंदिरा गांधी चौक तक रैली में शामिल हुईं। नारे लगाते हुए सभी बच्चियों ने कहा कि अपना जीवन बचाना है, नशा को दूर भगाना है... ऐसे कई कई नारों को बुलंद करते हुए रांची-चतरा मुख्य मार्ग पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इसी क्रम में कौशल विकास के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था दक्ष एके-डमी संकल सेंटर द्वारा भी नशा मक्ति जागरूकता रैली निकाली. जो शहर के रेलवे स्टेशन रोड स्थित कार्यालय से बाइपास चौक और थाना चौक होते हुए समाहरणालय मोड़ तक गई और पुनः कार्यालय पहुंची।

मंत्री के भाई के खिलाफ डीसी से शिकायत

CHAIBASA : राज्य सरकार के मंत्री दीपक बिरुवा के भाई प्रकाश बिरुवा के खिलाफ ग्रामीणों ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के उपायुक्त से शिकायत की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रकाश बिरुवा दबंगई दिखाते हुए चाईबासा सदर प्रखंड अंतर्गत गितिलिपी गांव की टोली सरजमगुटू में अवैध रूप से बाउंड्रीवाल बनाकर जमीन हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को चाईबासा विधानसभा क्षेत्र की भाजपा नेता गीता बलमुचु के नेतृत्व में गांव के 30 से अधिक परिवार उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और मंत्री के भाई के विरुद्ध लिखित शिकायत की। ग्रामीणों ने कहा है कि मंत्री के भाई प्रकाश बिरुवा सरजमगुटू में मकान बना रहे हैं। वहां वे अवैध तरीके से चारदीवारी बना रहे हैं।

नशा पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है : एसपी

मादक पदार्थों के विरुद्ध 10 जन् से चल रहे अभियान के तहत गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध और तस्करी रोकथाम दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन खुंटी के तत्वावधान में निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड़ बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, खुंटी से प्रारंभ हुई। पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो और उप विकास आयुक्त आलोक कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। इस दौड़ में जिले भर से आए खिलाड़ी, स्कूली बच्चे, पुलिस के जवान, आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लगभग 2-3 किलोमीटर की दुरी तक चली इस मैराथन ने समाज को नशामुक्ति का सशक्त संदेश



नशा मुक्ति के लिए दौड़ लगाते बच्चे व युवा

दिया। प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। विजेता खिलाड़ी इस प्रकार हैं छोटे बच्चों की स्पेशल टीम समर्पण प्रधान प्रथम स्थान, समीक्षा प्रधान द्वितीय स्थान और अयांश होरो तृतीय स्थान, गर्ल्स टीम संगीत मरांडी प्रथम स्थान, सपना बरला द्वितीय स्थान और रेबेका तिर्की



एसपी अजय कुमार ने प्रेस

कॉन्फ्रेंस कर दी। एसपी ने बताया

कि 13 जून को भुरकुंडा रेलवे

साइडिंग पर बाइक पर सवार दो

अपराधी पहुंचे थे। नकाबपोश

अपराधियों में से एक बाइक से

उतरा और वहां पांच राउंड गोली

अपराधियों की गिरफ्तारी और

पहचान के लिए पुलिस तत्काल

एक्शन में आ गई। पतरातू

फरार हो गया।



भुरकुंडा रेलवे साइडिंग पर गोली चलाने के

मामले में छह अपराधी किए गए गिरफ्तार

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते रामगढ़ एसपी अजय कुमार

अपराधियों को पकड़ने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान घटना में शामिल शूटर सुजीत डोम को उसके घर रिवर साइड, बुध बाजार, भुरकुंडा से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान सुजीत ने घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों के नाम भी बताया । उसने बताया कि गोलीबारी रंगदारी वसुलने के उद्देश्य से की गई थी। इस कांड के पीछे इनामुल

अंसारी, कुणाल कुमार उर्फ बादल सिंह और बसंत मुंडा उर्फ गुल्टू की संलिप्तता रही है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर अन्?य सभी पांच अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया। एसपी अजय कुमार ने बताया कि गोलीकांड के दौरान बाइक चलाने वाला व्यक्ति इनामुल अंसारी था। वह हजारीबाग जिले के गिद्दी थाना क्षेत्र अंतर्गत डोकाबेडा का रहने वाला है। परे

अंसारी, मजहर अंसारी, आजाद

सहभागिता निभाई। यहां तक कि उसने अपनी बाइक का नंबर प्लेट भी खरोच दिया था, ताकि पुलिस उसकी शिनाख्त नहीं कर पाए। वारदात के दिन इनामुल बाइक चलाते हुए सुजीत डोम को लेकर रेलवे साइडिंग पहुंचा था। इस दौरान वहां सद्दाम अंसारी, मजहर अंसारी और आजाद अंसारी मतकमा चौक और अन्य स्थानों पर पुलिस की गतिविधि की रेकी कर रहे थे। वे लोग पल-पल की रिपोर्ट सुजीत और इनामुल को दे रहे थे। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि शूटर सुजीत डोम का अपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ पतरातु, रामगढ़ सहित अन्य थानों में छह मामले

धरमपुर में हाथियों का उत्पात, एक की मौत

बेरमो के महुआटांड़ में निर्माणाधीन क्रशर प्लांट पर किया था हमला

AGENCY BOKARO:

बोकारो जिला के बेरमो अनमंडल महुआटांड़ थाना क्षेत्र के धरमपुर गांव के पास बधवार रात हाथियों के झुंड ने एक निमार्णाधीन क्रशर साइट पर हमला कर दिया। हमले में पश्चिम बंगाल के बर्दवान जिले के कल्टी निवासी मिस्त्री कलाम अंसारी (49) की मौत हो गई। हाथियों ने निमार्णाधीन कमरे को तोड़ते हुए मजदूरों में अफरा-तफरी मचा दी और चावल सहित अन्य सामान को भी नुकसान पहुंचाया। देर रात सात-आठ की संख्या में हाथियों का झंड साइट पर पहुंचा और आराम कर रहे मजदुरों पर हमला कर दिया। इससे मजदुर भागने लगे, लेकिन कलाम अंसारी भाग नहीं सका और हाथियों ने उसे कुचल दिया। घटना की सूचना पाकर महुआटांड़ पंचायत के मुखिया



घटनास्थल पर जुटे लोग व पुलिस के जवान • फोटोन न्यूज

वन विभाग पर लापरवाही का आरोप

मौके पर मुखिया प्रतिनिधि फूलचंद केवट ने कहा कि क्षेत्र में पिछले 15 दिनों से हॉथियों का झुंड घूम रहा है, लेकिन वन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उढाया। उन्होंने विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया और वरीय अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी भगाओ दल को सक्रिय करने और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं

प्रतिनिधि फुलचंद केवट सहित और वन विभाग की टीम भी बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस

मकान में आग लगने से लाखों का सामान

अंतर्गृत अड्डी बांग्ला रोड के समीप भदानी गली स्थित एक मकान में गुरुवार को भीषण आग लग गई। घटना में मकान मालिक को लाखों का नुकसान हो गया। गृहस्वामी मुकेश गुप्ता र्ने बताया कि वे लोग घर के दूसरे मंजिल पर सोए हुए थे। उन्हें कुछ जलने की बू आई। कमरे से बाहर निकलकर देखां कि उनके घर के निचले हिस्से जो कि एक गोदाम के रूप में इस्तेमाल होता है वहां से काफी धुंआ निकल रहा था। इसके बाद उन्होंने घर के बाकी सदस्यों को जगाया और सरपट मकान के नीचे दौडकर बाहर आ गए। उन्होंने मकान के नीचले हिस्से जहां आइसक्रीम, बिजली का भारी मात्रा में तार व रेफ्रिजरेटर सहित अन्य सामान रखा हुआ था। उन्होंने उक्त गोडाउन का दरवाजा खोला तो देखा कि अंदर आग की लपटें उठ रही थी। आस पड़ोस के लोगों ने घटना की सचना अग्निशमन विभाग को दी। कुछ देर के बाद दमकल मौके पर पहुंचा और काफी जद्दोजहद के बाद आग पर काबू पाने में सफलता मिली। आग से लाखों का बिजली का तार, आइसक्रीम सहित अन्य सामान जलकर खाक

तस्करी के लिए भेजी जा रही 14 गायों के साथ वाहन जब्त



KODERMA: जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-पटना मुख्य मार्ग के सुभाष चौक के समीप से बुधवार रात गौ रक्षा दल ने अवैध तरीके से ले जाये जा रहे 14 गाय और उसके बच्चों को रेस्क्य कर पुलिस को सुपुर्द किया गया। इसके बाद तिलैया पुलिस उक्त ट्रक और उसमें लंदे सभी गौ वंशों को तिलैया थाना ले गई। टक में सवार लोगों से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उनलोगों ने बताया कि वे उक्त ट्रक (जेएच 02 एके 9105) में 14 गाय और उसके बछड़े को बख्तियारपुर (बिहार) के बाजार समिति से लोड कर रांची के रातू रोड स्थित सखदेव नगर में विवेक यादव नाम के व्यक्ति को बेचने जा रहे थे। हालांकि उनकी ओर से मवेशियों से संबंधित कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद थाना प्रभारी विजय गप्ता की ओर से आरोपितों के खिलाफ अवैध रूप से गौ वंशों की तस्करी का मामला दर्ज करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

आइएमए मोड़, हीरापुर, बैंक मोड़, पुराना बाजार, भूली, पुटकी में बेचे जा रहे नशीले पदार्थ

धनबाद में हर माह १५ लाख की नशीली दवाओं का कारोबार

PHOTON NEWS DHANBAD: नशा व मादक पदार्थ युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रही है। एक ओर सरकार व प्रशासन इनके विरुद्ध जिले में अभियान चला रहे हैं। तो, दूसरी ओर, मादक पदार्थ व शिड्यूल एच-1 की दवा को नशा के लिए युवा खरीद कर सेवन कर रहे हैं। मेडिकल कारोबारियों की मानें, तो धनबाद में हर माह लगभग 15 लाख की नशीली दवाओं का कारोबार हो

रहा है। जिले के सबसे बड़े अस्पताल एसएनएमएमसीएच के ओएसटी सेंटर (नशा विमुक्ति केंद्र) में आने वाले 60 प्रतिशत मरीज नशीली दवा खाकर आ रहे हैं। यह दवा स्थानीय स्तर पर खरीद रहे हैं। स्पाजमो प्रोवजिनोल, फोर्टविंन, नाइट्रोसन टेबलेट, एल्ट्रैक्स ट्राइका, कोडीन जेसी दवा को शिड्यूल एच-1 में रखा



मेडिकल कॉलेज के नशा विमुक्ति केंद्र में हो रही काउंसिलिंग

गया है। इस दवा को बिना चिकित्सक की अनुशंसा पर मरीज को नहीं देना है। इसके लिए दवा दुकान में दवा देने के बाद मरीज का नाम, पता, फोन नंबर व चिकित्सक की पर्ची की

फोटोकॉपी रखनी है। लेकिन, पैसे के लालच में कुछ दवा दुकान इन दवाओं को धड़ल्ले से बेच रहे हैं। 10 टैबलेट की एक पत्ती को दुकानदार 100 रुपये में

जिले में इन जगहों पर बेचे जा रहे मादक पदार्थ

नशीली दवा : सरायढेला में पेट्रोल पंप के पास, हाउसिंग कालोनी, हीरापुर में मेन लाइन, पुराना बाजार, बैंक मोड़ मीठू रोड़, पुटकी में झरिया रोड के पास, भूली व वासेपुर में। गांजा : आईएसएम गेट, पुराना बाजार छाई गद्दा, भूली रेलवे हॉल्ट के पास, सिटी सेंटर, स्टील गेट सब्जी पट्टी, केंद्रुआ, जीटी रोड बरवाअड्डा, गोविंदपुर आदि। ब्राउन शुगर : आईएसएम गेट के

पास, धनबाद रेलवे स्टेशन के पास, गोविंदपुर जीटी रोड के पास सुलेशन : भूली व वासेपुर के राशन दुकान, मटकुरिया, पुराना बाजार, बैंक मोड़, स्टील गेट ।

किस दवा का क्या दुष्प्रभाव स्पाजमो प्रोवजिनोल : स्पाजमो

प्रोवजिनोल दर्द निवारक दवा है। इसके अधिक सेवन से आंतों में घाव बन जाते हैं। नशा के लिए प्रयोग। फोर्टविंन इंजेक्शन : यह दर्द निवारक इंजेक्शन है। इसे नशा के लिए युवा इस्तेमाल कर रहे हैं। नाइट्रोसन टेबलेट : इसे दवा दुकान पर टेन बोलकर खरीदा जा रहा है। यह नींद की दवा है, लेकिन इसका सेवन करने से व्यक्ति को नशा

एल्ट्रैक्स ट्राइका : एल्ट्रैक्स ट्राइका नींद की दवा है। नशेड़ी इसकी 8 से 10 गोलियां एक साथ खा जाते हैं। यह नशा की तरह काम करता है।

🧨 नशा विमुक्ति केंद्र में आने वाले मरीजों की काउंसिलिंग की जा रही है। जीवन की मुख्यधारा में कई युवा लौटे हैं। हर माह 250 से ज्यादा मरीज आ रहे हैं। अधिकांश मरीज नशीली दवा की लत से ग्रसित हैं।

> – डॉ. विभूतिनाथ नोडल प्रभारी, ओएसटी केंद्र, एसएनएमएमसीएच

कैदियों को परिजनों से मिलने वाली राशि में लिया जा रहा १० प्रतिशत कमीशन

मेदिनीनगर केंद्रीय कारा के सुरक्षाकर्मियों द्वारा कमीशन लेने का वीडियो वायरल

 वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आया कारा प्रबंधन चार कक्षपालों को शोकॉज मामले की जांच शुरू

PHOTON NEWS PALAMU: मेदिनीनगर केंद्रीय कारा में कैदियों को परिजनों से मिलने वाली राशि में 10 प्रतिशत कमीशन वसूली का मामला सामने आया है। गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर मेदिनीनगर केंद्रीय कारा का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कारा के सुरक्षाकर्मी द्वारा कहा जा रहा था कि जेल के अंदर कैदी को अगर 500 रुपये जाता है, तो उसमें 50 रुपये और 100 रुपये जाने पर 10 रुपये बतौर कमीशन काट लिया जाता है। अन्यथा रुपया नहीं जाता है। इसके पीछे जेल में तैनात एक वरीय सुरक्षाकर्मी का नाम सामने आया है। इंटरनेट मीडिया पर



वीडियो फुटेज में दिख रहे लोग

🎙 कैदियों को परिजनों से मिलने वाली राशि में कमीशन वसूली का मामला सामने आने पर चार कक्षपालों को शोकॉज किया गया है। सभी को 24 घंटे में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। वह खुद अपने स्तर से मामले की जांच कर रहे हैं। इसमें अब तक यह बात सामने आई है कि आपसी

मनमुटाव में सुरक्षाकर्मियों ने एक-दूसरे को फंसाने के लिए ऐसा किया है।

वीडियो वायरल होने के बाद कारा प्रशासन हरकत में आया। कारा प्रशासन ने सुरक्षा में तैनात चार सुरक्षाकर्मियों को शोकॉज किया है, जबिक प्रशासन अपने स्तर से पूरे मामले की जांच करा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद कमीशन वसूली में संलिप्त सुरक्षाकर्मी पर कार्रवाई

की जाएगी। बताते चलें कि मेदिनीनगर केंद्रीय कारा में 1000 से अधिक कैदी बंद हैं, जिसमें सजायाफ्ता के साथ विचाराधीन कैदी भी शामिल हैं। प्रतिदिन सुबह से दोपहर 12 बजे तक कैदियों से परिजनों की मुलाकात का समय

– आशीष कुमार, जेलर, मेदिनीनगर केंद्रीय कारा







अनुसार, कुछ समय तक शांत

रहने के बाद अब यह गैंग फिर से

एक्टिव होने की कोशिश में जट

गया है। खासकर सोशल मीडिया

के जरिए अमन का गैंग आतंक

फैलाने का काम तो कर ही रहा

है। दसरी तरफ उत्तम यादव नाम

दिनों हाथ में कार्बाइन लिए अपना

वीडियो डाल कर आतंक कायम

चुनौती साबित होने लगा है। अमन

साह के मारे जाने के बाद उसके

आजाद सिरकार और राहुल सिंह

सोशल मीडिया के जरिए आतंक

फैलाने की कोशिश में जुट गए हैं।

करने में लगा हुआ है। वह भी

झारखंड पुलिस के लिए बड़ी

गैंग के दो कुख्यात अपराधी

का एक अन्य अपराधी भी इन









O BRIEF NEWS

RANCHI: दारूल कजा इमारत शरीया बिहार ओडिशा शा व झारखंड,राची के काजी शरीअत मुफती मोहम्मद अनवर कारमी ने कहा हैं कि गुरुवार (26 जून) को मुहर्रम-उल-हराम १४४७ हिजरी महीने का चांद देश के विभिन्न स्थानों में आम तौर पर नजर आया है, जिसकी तस्दीक हो चुकी है, इसलिए शुक्रवार (२७ जून) को मुहर्रम-उल- हराम 1447 हिजरी महीने की पहली तारीख है और 06 जुलाई 2025 दिन रविवार को मुहर्रम-उल-हराम १४४७ हिजरी महीनें की 10 तारीख यानी यौमे आशूरा है। उन्होंने कहा कि यही फैसला मरकजी दारुल कजा इमारत शरीया बिहार, ओडिशा व झारखंड व फुलवारी शरीफ, पटना का है।

नहीं रहे समाजसेवी सुलतान अंसारी, हुए सुपुर्द-ए-खाक

RANCHI: बेडो प्रखंड के करांजी जराटोली गांव निवासी व समाजसेवी सुलतान अंसारी का गुरुवार को निधन हों गया। वे 99 वर्ष के थे। उनके निधन से गांव सहित क्षेत्र में शोक की लहर



सुलतान अंसारी लंबे समय तक कोऑपरेटिव सोसाइटी में सेवा दे चुके थे और सामाजिक

कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे। वे अपने पीछे चार पुत्रों समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। सुलतान अंसारी के पत्रकार तबरेज अंसारी के दादा थे। गुरुवार की शाम मगरिब की नमाज के बाद उन्हें उनके पैतृक गांव करांजी जराटोली स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जनाजे में बड़ी संख्या में ग्रामीणों व परिचितों ने भाग लिया। अंतिम विदाई के मौके पर प्रमुख विनीता कच्छप, केदार महतो, रईफ़ुद्दीन मिरदाहा, सीमा, दिलीप लोहरा, युसूफ अंसारी, मनीरूद्दीन अंसारी सहित कई लोग मौजूद रहे। सभी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति की दुआ की।

दो पिकअप वाहनों से 18 गोवंशीय पशु जब्त



RANCHI: बेडो थाना पुलिस ने पश् तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार की देर रात दो पिकअप वाहनों से कल 18 गोवंशीय पशओं को बरामद किया। यह कार्रवाई थाना प्रभारी देवप्रताप प्रधान के नेतृत्व में नगड़ीटोली गांव के समीप रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने बताया कि जब्त किए गए वाहनों में एक पिकअप का नंबर जेएच01 एफजे-564 और दसरे का नंबर जेएच01 एफपी-9734 है। दोनों वाहनों में अवैध रूप से गोवंशीय पशुओं को लादकर तस्करी की जा रही थी। पलिस ने मौके पर दोनों वाहन जब्त कर लिया और पशुओं को सुरक्षित उतारकर उन्हें स्थानीय प्रशासन की निगरानी में रखा गया।

पत्नी की मौत के मामले में एसडीओ को बड़ी राहत

RANCHI: हजारीबाग के एसडीओ आवास में पत्नी अनिता देवी की जलकर मौत मामले में आरोपी पूर्व एसडीओ अशोक कुमार को हाईकोर्ट से बडी राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को निरस्त कर दिया है। गुरुवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। अशोक कुमार की ओर से अधिवक्ता कृष्ण कुमार और राम कुमार ने बहसँ की।

मुहर्रम का नजर आया चांद

गैंग लीडर के एनकाउंटर से दहशत में आया अमन गिरोह फिर से हो रहा एक्टिव

अब सोशल मीडिया के जरिए आतंक फैलाने की पुरजोर कोशिश, दूसरी ओर उत्तम यादव भी साबित होने लगा बड़ी चुनौती झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू के एनकाउंटर के बाद उसका विपिन मिश्रा पर फायरिंग के बाद अमन का हुआ था एनकाउंटर, इसके बाद दर्जनभर से ज्यादा गुर्गे पहुंचा दिए गए थे जेल गैंग दहशत में आ गया था। लेकिन, अपडेट जानकारी के

सदमे से बाहर निकल कर आतंक कायम करने

में लग गए हैं गुर्गे इसी साल मार्च महीने में रांची के बरियातू के रहने वाले कारोबारी बिपिन मिश्रा को अमन साहू (तब अमन जिंदा था) के इशारे पर दिनदहाड़े फायरिंग की गई थी। इस फायरिंग में कारोबारी विपिन मिश्रा बुरी तरह से जख्मी हुए थे। विपिन मिश्रा के ऊपर हुई फायरिंग के बाद ही अमन साहू गैंग रंडार पर आया और सबसे पहले अमन साहू का एनकाउंटर हुआ। उसके बाद उसके एक दर्जन से ज्यादा गुर्गे गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुचाँ दिए गए। लेकिन, चार महीने बाद एक बार फिर अमन के गुर्गे उसके मौत के सदमे से बाहर निकल कर आतंक कायम करने

 हजारीबाग में दिन–दहाड़े फायरिंग करने के बाद चतरा के उत्तम ने जारी किया वीडियो 🧟

हाथ में कार्बाइन लेकर जारी किया वीडियो

दूसरी तरफ झारखंड में एक और अपराधी पुलिस के लिए चुनौती बनकर उभरा है। हजारीबॉग में दिन-दहाड़े फायरिंग कर उत्तम यादव ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें उसने बताया है कि फायरिंग उसी के गैंग के द्वारा की गई है। हाथ में कार्बाइन लेकर जो वीडियो उत्तम ने जारी किया है,उसमें कई कारोबारी को धमकी भी दी गई है।



किए जा रहे अपराधी अमन गैंग के एक्टिव होने के बाद उत्तम यादव भी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। गैंग्स की चहलकदमी के बीच झारखंड एटीएस की टीम भी सतर्क हो गई है। हजारीबाग, चतरा और रामगढ़ एसपी भी गैंग्स पर नकेल कसने में लगे हुए है। झारखंड एटीएस की टीम ने उत्तम यादव और अमन गिरोह के अपराधियों को चिह्नित करना शरू कर दिया है।

पुलिस सतर्क, चिह्नित

विपिन मिश्रा को फिर जान से मारने की धमकी

कुछ दिन पहले ही एनकाउंटर में मारे गए अमन के बेहद खास गुर्गे आजाद ने एक बार फिर विपिन मिश्रा को धमकी दी है। आजाद ने अपनी फेसबुक पेज पर विपिन मिश्रा को धमकी देते हुए लिखा है कि विपिन मिश्रा गैंग को यह जानकारी मिल रही है कि अमन साहू के स्वर्गवास के बाद तुम कई तरह की बयानबाजी कर रहे हो। आजाद ने विपिन मिश्रा को संबोधित करते हुए यह भी

लिखा है कि तुम यह बोल रहे हो कि अमन साहू तो मर गया, अब उसका कोई क्या बिगाड़ लेगा। लेकिन, विपिन मिश्रा तुम यह नहीं जानते हो कि तुम्हारा मरना तय है। अपराधी आजाद ने विपिन मिश्रा को धमकी देते हुए पोस्ट में यह भी लिखा है कि तुम चाहे जितनी सिक्योरिटी बढ़ा लो चाहे तो जेड प्लस सिक्योरिटी ले लो उसके बाद भी तुमको और तुम्हारे लोगों को ठोकेंगे।

अमन साहू गिरोह के कुछ अपराधी सोशल मीडिया पर धमकी देने का काम कर रहे हैं। कुछ दूसरे गिरोह के भी अपराधी लगातार एक्टिव होने की कोशिश कर रहे हैं। सभी को चिह्नित किया जा रहा है। अपराधियों के सोशल मीडिया कौन हैंडल कर रहा है, इसकी जांच भी टेविनकल टीम कर रही है। ऐसे अपराधी जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे। दूसरी तरफ जिन जिलों में इन अपराधियों का आतंक है, वहां के एसपी



भी स्पेशल टीम बनाकर अपराधियों की गिरफ्तारी का प्रयास शुरू कर चुके हैं। -ऋषभ झा, एसपी, एटीएस

पूरे शहर की व्यवस्था देखने वाले नगर निगम का अपने ही भवन पर नहीं है ध्यान

48 करोड़ की बिल्डिंग का नहीं हो रहा मेनटेनेंस, कभी भी हादसा संभव

झारखंड की राजधानी में स्थित रांची नगर निगम की बहुचर्चित 48 करोड़ रुपये की बिल्डिंग इन दिनों अपनी दुर्दशा को लेकर चर्चा में है। यह आलीशान बिल्डिंग अब जर्जर होती जा रही है। इतना ही नहीं, पूरे शहर की व्यवस्था देखने वाले नगर निगम का ध्यान अपने ही भवन पर नहीं है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भवन का किसी भी तरह का मेनटेनेंस नहीं किया जा रहा है। भवन की ऊंचाई से टाइल्स के गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे नगर निगम में काम

कछ दिन पहले एक घटना में नीचे खड़ी एक बाइक पर भारी टाइल गिर गई, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई। राहत की बात ये रही कि कोई व्यक्ति उस समय वहां मौजूद नहीं था, वरना बड़ी अनहोनी हो सकती थी। निगम में आने वाले लोगों का कहना है कि

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता

कराने के लिए आने वाले लोगों

की जान पर खतरा बना हुआ है।



सबसे हैरानी की बात यह है कि इन घटनाओं की जानकारी होने के बावजूद नगर निगम प्रशासन कोई संज्ञान नहीं ले रहा है। न तो टाइल्स की मरम्मत हो रही है. न ही अस्थायी वैरिकेडिंग या चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन एक बडे हादसे के इंतजार में है, जिसके बाद ही शायद अधिकारियों

की नींद खुलेगी। हालांकि नगर निगम के कर्मचारियों में इस लापरवाही को लेकर गहरी नाराजगी है। वहीं लोगों का कहना है कि जब नगर निगम अपने ही कार्यालय की देखभाल नहीं कर सकता, तो शहर की सफाई, सडक, पानी और अन्य जरूरी सेवाओं की गणवत्ता की कल्पना कैसे की जा सकती है।

भवन की ऊपरी मंजिलों में लगाई जो अब समय के साथ ढीली गई भारी-भरकम टाइल्स को होकर गिर रही हैं। ऐसी स्थिति में क्लिप की मदद से लगाया गया है, अगर कोई व्यक्ति या कर्मचारी

• छोटे हाढ्से से सबक नहीं ले रहे रांची नगर निगम के अधिकारी

निगम में काम कराने के लिए आने वाले लोगों की जान पर बना हुआ है खतरा

 क्लिप के सहारे टिकी हैं बाहरी दीवारों पर लगाई गई भारी-

टाइल्स, बाइक हुई थी क्षतिग्रस्त

केवल बाहरी हिस्से ही नहीं, इस करोड़ों की लागत से बनी इमारत के अंदर की स्थिति भी ठीक नहीं है। कार्यालय परिसर में दीवारों में सीपेज हो रही है। कई जगहों पर प्लास्टर उखड़ गए हैं। इससे साफ होता है कि भवन निर्माण के दौरान गुणवत्तापूर्ण सामग्री का प्रयोग नहीं किया गया या फिर उसके रखरखाव को लेकर पूरी तरह से लापरवाही बरती गई है। इसके अलावा बाथरूम में भी मेंटेनेंस का अभाव है। नल से पानी भी नहीं आता। भवन के बाहर बने फर्श में लगे ब्लॉक्स भी जगह-जगह से उखड़ चके हैं। इससे पैदल चलने वाले लोगों को गिरने का खतरा बना रहता है। खास तौर पर बरसात के मौसम में यह परेशानी और बढ़ गई है। वहीं बाइक से आने वालों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

भवन के आसपास मौजूद हो, तो अधिकारी अब तक किसी भी उसे गंभीर चोटें आ सकती हैं। प्रकार की मरम्मत या सुरक्षात्मक बावजूद इसके नगर निगम के कार्रवाई नहीं कर पाए हैं।

सिकदरी में उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, मिनी अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

PHOTON NEWS RANCHI: राजधानी में अवैध शराब के कारोबारी बेहद एक्टिव हो कर नकली शराब का निर्माण कर रहे है और इसे बाजार में खपा भी रहे हैं। इसी बीच उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रांची के सिकिदरी में मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान भारी मात्रा में अवैध शराब बरबाद किया गया है। इस फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर नकली शराब का निर्माण किया जा रहा था। उत्पाद आयुक्त राकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हुई छापेमारी में 600 पेटी शराब के साथ साथ 500 लीटर कच्चा शराब बरामद किया गया है। इस मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार में लिया गया है, जिनसे पुछताछ की जा रही है। अवैध शराब फैक्ट्री से बाजार में बिकने वाले कई ब्रांड के नकली शराब बरामद किया गया है। इलाके में बड़े पैमाने पर नकली शराब का निर्माण किया जा रहा था। नकली शराब का निर्माण करने के लिए बाकायदा एक घर को फैक्ट्री के

रूप में तब्दील कर दिया गया था।



- बोतलें और 500 लीटर शराह्य जहत
- बाजार में बिकने वाले कई ब्रांड की नकली शराब भी बरामद
- 🛮 पांच लोगों को किया गया गिरफ्तार, की जा रही पूछताछ

मामले की जानकारी मिलने के बाद उत्पाद विभाग ने रेड किया। मिनी फैक्ट्री में 600 पेटी शराब, 500 लीटर से ज्यादा नकली शराब कई कंपनियों के रैपर के साथ-साथ 600 से ज्यादा खाली बोतल बरामद की गई है। मिनी शराब फैक्ट्री में महंगे ब्रांड के शराब के बोतलों में उनके रैपर लगाकर उसमें दोयम दर्जे की शराब भरकर उसे बिहार के बाजार में खफाया जाता था।

लगातार आदिवासी बेटियों को बनाया जा रहा है निशाना : बाबूलाल मरांडी **PHOTON NEWS RANCHI:**

प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने गिरीडीह में एक आदिवासी बेटी के अपहरण की घटना पर चिंता जताई है। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा है कि आठ दिन तक लापता रहने के बाद लड़की मिली, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और न ही कोई सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है। उन्होंने हेमंत सरकार पर आरोप लगाया कि उनका स्पष्ट निर्देश है कि आरोपित का धर्म और वोट बैंक देखकर कानून तय किया जाए। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार में लगातार झारखंड में आदिवासी बेटियों को

निशाना बनाया जा रहा है। मरांडी ने

कहा कि आज आदिवासी समाज में



गस्सा है और हमारी बेटियां डर के साए में जी रही हैं। उन्होंने कहा कि जो सरकार आदिवासी समाज को सुरक्षा नहीं दे सकती, उसे उनका प्रतिनिधित्व करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने अविलंब आरोपित की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार को आदिवासी समाज के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और उनकी सुरक्षा और न्याय के लिए काम करना चाहिए।

बारूद के ढेर पर बैठा है झारखंड : गिरिराज सिंह



RANCHI: कंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रांची स्थित भाजपा कार्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आपातकाल की बरसी पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र की हत्या करते हुए देश में आपातकाल लागू किया था, जिसे भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन माना जाता है। गिरिराज सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी पर चुनावी धांधली का आरोप लगने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके खिलाफ फैसला सुनाया। इसके बावजूद उन्होंने सत्ता से चिपके रहने का फैसला लिया। सुप्रीम कोर्ट में भी उन्हें राहत नहीं मिली।

मंत्री सुदिव्य बोले- स्वस्थ झारखंड व नशामुक्त राज्य की परिकल्पना के लिए सरकार संकल्पित

PHOTON NEWS RANCHI:

पर्यटन मंत्री सदिव्य कमार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सपना है कि हमारा झारखंड नशा मुक्त हो। उन्होंने संकल्प लिया है झारखंड को नशा मुक्त करने का । उनके इस संकल्प को पूरा करने के लिए नशा मक्त झारखंड के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पिछले 14 दिनों से मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले को जारी रखते हए गुरुवार को नशा मुक्त झारखंड के लिए युवाओं में जागरूकता लाने

हुए हैं। पर्यटन मंत्री कुमार ने

के उद्देश्य से मैराथन दौड़ का दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता के आयोजन किया गया है स्वस्थ लिए आयोजित मैराथन दौड़ के अवसर पर मोरहाबादी मैदान में झारखंड, नशामुक्त राज्य की परिकल्पना को लेकर हमलोग एकत्र हुए युवाओं की भीड़ को आज मैराथन दौड़ के लिए जमा

बढते कदम के साथ हम लोग ये हर कदम पर नशा से दर रहने और नशा मक्त झारखंड के लिए प्रतिज्ञा लेंगे। झारखंड, नशा मक्ति के अंतरराष्टीय मानक के हर पहलओं का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित

संबोधित कर रहे थे । उन्होंने कहा कि मैराथन दौड़ में मोरहाबादी से गुरुवार को मादक पदार्थों के अल्बर्ट एक्का चौक की तरफ फिर से शुरू की गई मुख्यमत्री ट्रैक्टर स्पीफ 2025 में विनीत कुमार ने



PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड सरकार ने दो साल के अंतराल के बाद मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना की पुनः शुरूआत कर दी है। रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने योजना का शुभारंभ करते हुए किसानों को लगभग 4 करोड़ रुपये के कृषि यंत्र वितरित किए। इन यंत्रों में ट्रैक्टर, मिनी ट्रैक्टर, सोलर पंप सेट और नॉर्मल पंप सेट शामिल थे। कार्यक्रम में महिला समूहों की

बड़ी भागीदारी सामने आई। विभाग द्वारा महिलाओं को ट्रैक्टर चलाने का प्रशिक्षण भी दिया गया है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि यह योजना किसानों को मजदूर से व्यापारी बनने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत बड़े ट्रैक्टर पर 50% और मिनी ट्रैक्टर पर 80% सब्सिडी दी जा रही है। लाभुकों को योजना का लाभ लेने के लिए अपने एस्क्रो अकाउंट में अंशदान जमा करना होगा।

खेल प्रतिभा 3 जुलाई से शुरू होगी नेशनल गर्ल्स हॉकी प्रतियोगिता, भाग लेंगी 30 टीमें

राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए तैयार है राजधानी

कुछ दिनों के बाद झारखंड की राजधानी रांची में खेल प्रतिभा का विशाल प्रदर्शन होने वाला है। हॉकी का हब कहे जाने वाले झारखंड की राजधानी रांची एक बार फिर से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के आयोजन की मेजबानी के लिए तैयार है। 3 जुलाई से 14 जुलाई तक मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में सब- जुनियर नेशनल गर्ल्स हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन होगा। इसमें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल,

हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़,

और झारखंड समेत देश की

30 टीमें भाग लेंगी।

ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल

14 जुलाई तक मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में होगा आयोजन हॉकी झारखंड और हॉकी इंडिया ने व्यापक स्तर पर शुरू कर दी है हर तरह की तैयारी

झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह के नेतृत्व में तेजी से हो रहा

🛮 हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह खुद तैयारियों की कर रहे

मॉनिटरिंग



शुरू किया जा चुका है ट्रेनिंग कैंप

प्रतियोगिता से पहले रांची में ही एक विशेष प्रशिक्षण शिविर (ट्रेनिंग कैंप) चल रहा है। इसमें झारखंड, तमिलनाडु और अन्य राज्यों की बालिका टीमें भाग ले रही हैं। इन खिलाड़ियों को अनुभवी और पेशेवर कोचों द्वारा इंटरनेशनल लेवल की ट्रेनिंग दी जा रही है। कैंप में अभ्यास कर रही तमिलनाडु की टीम की कोचिंग स्टाफ का कहना है कि रांची का वातावरण खेल के अनुकूल है और व्यवस्थाएं बेहद शानदार हैं।

उत्साहित है झारखंड की टीम

झारखंड की बालिका टीम भी इस चैंपियनशिप के लिए जोश और आत्मविश्वास से भरी हुई है। झारखंड की खिलाड़ी अपने प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं और घरेलू मैदान में खेले जाने वाले इस बड़े टूर्नार्मेंट में शानदार खेल दिखाने का लक्ष्य लेकर तैयारी कर रही हैं। झारखंड की टीम को भी अनुभवी कोचों से प्रशिक्षण मिल रहा है और खिलाड़ियों का अभ्यास जारी है। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता को लेकर हॉकी झारखंड और हॉकी इंडिया ने व्यापक स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। इस टूर्नामेंट को लेकर हॉकी इंडिया के महासंचिव भोलानाथ सिंह, खुद तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे लगातार

अधिकारियों और आयोजन समिति के सदस्यों से संपर्क में हैं ताकि आयोजन में किसी प्रकार की कोई कमी न रह जाए। हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह के नेतृत्व में स्थानीय स्तर पर तैयारियों को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है। हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए भोजन, आवास और अन्य मूलभूत सुविधाओं की पूरी व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों को किंसी भी तरह

की परेशानी न हो, इसके लिए आयोजन

स्तर पर निगरानी रखेगी।

समिति ने एक विशेष टीम बनाई है, जो हर

RANCHI: रूस में आयोजित सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम

(स्पीफ) 2025 में साइबरपीस फाउंडेशन

दिया साइबर बहुपक्षवाद का संदेश

के संस्थापक और वैश्वक अध्यक्ष विनीत कुमार ने डिजिटल युग में साइबर बहुपक्षवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। वाल्दाई डिस्कशन क्लब द्वारा आयोजित उच्च स्तरीय सत्र में बोलते हुए उन्होंने कहा कि साइबरस्पेस अब एक नया भू– राजनीतिक युद्धक्षेत्र बन गया है, जहां राज्य और गैर-राज्य, मानव और मशीन, शांति और युद्ध के बीच की सीमाएं धुंधली हो गई हैं। उन्होंने सभी वैश्विक नेताओं से अपील की कि वे साइबर लचीलापन और भरोसेमंद डिजिटल शासन व्यवस्था को अपनाएं। सत्र में रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंदुरोव, जर्मनी के पत्रकार रोजर कोप्पेल और चीन के फेंग वेई भी प्रमुख वक्ता रहे। विनीत कुमार के विचारों ने साइबर सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नई दिशा की ओर संकेत दिया।

समाचार सार

नशा मुक्त झारखंड के लिए हुआ मिनी मैराथन

CHAIBASA: मुख्यमंत्री की पहल पर राज्य भर में 10 से 26 जून तक नशामुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार



को एसडीओ-सदर चाईबासा संदीप अनुराग टोपनो के नेतृत्व में समाहरणालय परिसर से ताम्बो चौक तक मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें छात्र से लेकर कर्मचारी तक शामिल

थे। दौड़ के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया। मैराथन में पुरुष वर्ग से लालू कालुंडिया, रंजीत पुरती व सनी ईचागुटु, महिला वर्ग से दिलकी पाड़ेया व बमय तिरिया क्रमशः श्रेष्ठ रहे।

एसडीयू के छात्रों ने लिया नशा त्याग का संकल्प



का आयोजन किया गया। सिंह आजाद तथा

नशा त्याग करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के एनएसएस ईकाई प्रमुख डॉ. शिवचंद्र झा भी उपस्थित थे।

एनसीसी अधिकारी डॉ. प्रसेनजीत कर्मकार प्रोन्नत

GHATSILA: संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर के एनसीसी अधिकारी डॉ. कैडेट



अधिकारी के पद पर प्रोन्नत किया गया है। इसके लिए कुछ दिन पूर्व उन्हें एनसीसी

अनुमोदन पत्र भी प्राप्त हुआ था। डॉ. कर्मकार 2013 से एनसीसी में हैं और 37-झारखंड बटालियन एनसीसी के अधीन कार्यरत हैं। उन्होंने ऑफिसर टेनिंग अकादमी, नागपर से प्रशिक्षण और 2016 में एनसीसी

थानों में हर गुरुवार को भूमि विवाद का समाधान

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निदेशानुसार थाना स्तर पर प्रत्येक गुरुवार को भूमि विवाद समाधान दिवस



का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को भूमि से

सके। अब तक जिले में भूमि विवाद समाधान दिवस के तहत कुल 428 मामलों की सुनवाई की जा चुकी है, जिनमें से 284 मामलों का निष्पादन किया गया है। गुरुवार को आयोजित शिविर में प्राप्त आवेदनों में से लगभग 50 प्रतिशत मामलों का निष्पादन मौके पर ही किया गया, जिससे लोगों को त्वरित राहत मिली।

जेम्को गुरुद्वारा के नए प्रधान को चार्ज सौंपने का निर्देश

JAMSHEDPUR : जेम्को गुरुद्वारा के नए प्रधान जरनैल सिंह को पूर्व ही जेम्को गुरुद्वारे में गुरुवार



को एक बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह के साथ अन्य जेम्को गुरुद्वारा प्रबंधक

कमेटी के सभी मेंबर उपस्थित थे। सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह ने कहा कि स्थिति को सलझाने और यह सनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप किया है कि नए प्रधान जरनैल सिंह को विधिवत चार्ज मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की बाधाएं जारी रहती हैं तो सीजीपीसी को सख्त कदम उठाने पड़ सकते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधान को एक हफ्ते के अंदर चार्ज देने का निर्देश दिया। इस मौके पर जागीर सिंह, सरनजीत सिंह, करनदीप सिंह, चरन सिंह, सरजीत सिंह, हरजीत सिंह, सरदल सिंह, कलवंत सिंह, सरजीत सिंह, अमरीक सिंह, गरविंदर सिंह, व अन्य कमेटी के मेंबर उपस्थित थे।

नोवामुंडी माइंस को मिली सेवेन स्टार रेटिंग



को खान मंत्रालय द्वारा सतत विकास के क्षेत्र में निर्धारित मानदंडों के आधार पर सेवेन स्टार खदान घोषित किया गया है। इस लौह अयस्क खदान

को देश की उन तीन खदानों में चुना गया है, जिन्हें सतत विकास ढांचे के तहत सेवन स्टार रेटिंग से सम्मानित किया जाएगा। 2016 में खदानों की स्टार रेटिंग की शुरूआत के बाद से यह पहली बार है, जब किसी खदान को सतत विकास ढांचे (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के तहत सेवन स्टार रेटिंग दी गई है।

बाइकर्स गैंग का हुआ खुलासा १० बदमाश किए गए गिरफ्तार

'स्मार्टी नाइटराइडर' के नाम से बनाया था ग्रुप, रात को सड़कों पर करते थे लूटपाट

सिदगोडा सहित आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से उत्पात मचाने वाले एक बाइकर्स गैंग का पलिस ने गुरुवार को खुलासा किया है। सिदगोड़ा के थाना प्रभारी गुलाम रब्बानी खां के नेतृत्व में चलाए गए विशेष रात्रि अभियान के दौरान गैंग के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से चार ऐसे युवक हैं, जिन पर पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से एक देसी कट्टा, दो कारतूस, एक मोबाइल फोन, एक कार और एक बाइक बरामद

गिरफ्तार युवकों ने 'स्मार्टी नाइटराइडर' नाम से एक ग्रुप बना रखा था और ये सभी मिलकर रात के समय बाइक से सड़कों पर घुमते थे। तेज रफ्तार बाइक चलाते

बुजुर्गो के लिए बनी संस्था की कार्यकारिणी गटित

JAMSHEDPUR : बुजुर्गों के लिए

बनी संस्था जीवन ज्योति की कार्यकारिणी का गठन किया गया है। सोनारी के वृंदावन गार्डेन में गुरुवार को गढित कमेटी में एमजीएम अस्पताल के पूर्व अधीक्षक एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण कुमार को अध्यक्ष एवं रोटी बैंक के चेयरमैन मनोज मिश्रा को महासचिव चुना गया है। इसमें चार उपाध्यक्ष बनाए गए हैं, जिनमें एसएनटीआई के पूर्व हेड़ रविशंकर सहित बैंक के पूर्व अधिकारी राम बिहारी सहाय, महेश चौबे व शैलेंद्र सिन्हा शामिल हैं। सचिव के रूप में एल बी प्रसाद, जीपी मेहता, एनसी झा, लालबाबू चौधरी व प्रेमलता अग्रवाल को नियुक्त किया गया है। कोषाध्यक्ष के लिए बीडी तिवारी एवं सह कोषाध्यक्ष के लिए विजय शर्मा को चुना गया है। संस्था को विस्तार देने के लिए अलग-अलग क्षेत्र के प्रतिनिधि भी बनाए गए हैं, जो एरिया इंचार्ज के रूप में कार्य करेंगे। इनमें जेपी सिंह व उत्तम दत्ता को सोनारी, संजय भद्रा व प्रेमलाल साहू को कदमा, आरएस मिश्रा को मानगो, ज्योति उपाध्याय व रश्मि सिन्हा को साकची सह सीतारामडेरा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। महिलाओं को जोड़ने एवं उनकी समस्याओं के लिए महिला इकाई का गठन ज्योति उपाध्याय की देखरेख में

मुफस्सिल थाना पुलिस ने हरिगुटू

में एक माह पहले हुई चोरी का

खलासा कर दिया है। चोरी करने

वाले गिरोह के दो बदमाशों को

गिरफ्तार कर लिया है। खास बात

ये है कि इन चोरों ने चोरी करने से

पहले उस घर की रेकी की थी।

पलिस ने आरोपियों के पास से

चुराए गए सोने- चांदी के गहने

और दो मोबाइल फोन भी बरामद

किए हैं। आरोपियों की पहचान

महलसाई मतकमहात निवासी

सनातन देवगम और कमरहात

निवासी सालुका देवगम के रूप में

हुई है। पुलिस सुत्रों की मानें, तो

गिरफ्त में आए आरोपी शातिर

किस्म के चोर हैं, जो रात में बंद

मकानों की रेकी कर चोरी करते

हैं। जानकारी के अनुसार, 13 मई

को चाईबासा के नीमडीह निवासी



हुए ये न सिर्फ हंगामा मचाते थे, बल्कि कई इलाकों में लूटपाट की घटनाओं को भी अंजाम देते थे।

खासकर इंस्टाग्राम पर, पोस्ट कर ये लोग चर्चा में बने रहते थे। की जान तक खतरे में पड़ जाती थी। गिरफ्तार किए गए युवकों में बागुनहातू निवासी राजा सिंह उर्फ मुर्गी जल्लाद, साहिल सिंह सरदार उर्फ रैफर, पीयूष डे, सौरभ कुमार उर्फ लादेन, महेश सिंह भूमिज, शुभम कालिंदी, सागर नाग, अतीश कुमार नाग, मुकेश गोराई और देवा

के खिलाफ सिदगोड़ा सीतारामडेरा थाना आपराधिक मामले दर्ज हैं। शुभम कालिंदी, सागर नाग और

सौरभ कुमार पर भी एक-एक मामला दर्ज है। पुलिस इन युवकों के सोशल मीडिया अकाउंट की

जांच कर रही है, ताकि इनके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की पहचान की जा सके। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार के असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी और शहर की शांति भंग करने वालों को

सीएसआईआर-एनएमएल में संगोष्टी



अभियांत्रिकी इंजीनियरिंग) पर राष्ट्रीय स्तर के छात्रों के लिए आयोजित तीन दिवसीय संगोर्ध बिहाइंड द टीचर्स डेस्क (बीटीटीडी-2025) के 14वें संस्करण का समापन गुरुवार को हो गया। आदित्यपुर स्थित एनआईटी जमशेदपुर में संपन्न हुए समापन समारोह में भारतीय धात संस्थान (आईआईएम) जमशेदपुर चैप्टर लिमिटेड और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर के प्रतिनिधि सीएसआईआर-एनएमएल के मुख्य वैज्ञानिक और आईआईएम जमशेदपर चैप्टर के उपाध्यक्ष डॉ. वीसी श्रीवास्तव अतिथि, जेएएमआईपीओएल की प्रबंध निदेशक स्वस्तिका बसु का परिचय भी कराया। आयोजकों की सराहना करते हुए बसु ने संगोष्टी के अनूटे प्रारूप की सराहना की, जिसमें विशेषज्ञ व्याख्यान, पश्नोत्तरी और छात्र प्रस्तृतियां, औद्योगिक दौरे शामिल थे, जिससे समग्र शिक्षा और सहभागिता को बढ़ावा मिला। एनआईटी जमशेदपुर के धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख प्रो. अशोक कुमार द्वारा विशेष फीडबैंक

नीमडीह के रोजगार मेला कबाड में तब्दील हो रहे पोटका प्रखंड कार्यालय में पड़े सैकड़ों व्हीलचेयर

JAMSHEDPUR : पोटका प्रखंड कार्यालय परिसर में सैकड़ों व्हीलचेयर कबाड़ में तब्दील हो रहे हैं। भाजपा, जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा कि ये दृश्य प्रशासनिक संवेदनहीनता और योजनाओं के लचर क्रियान्वयन का जीता-जागता उदाहरण है। टैक्सपेयर्स की गाढ़ी कमाई से खरीदे गए ये व्हीलचेयर उन दिव्यांगों तक नहीं पहुंच पाए, जो वर्षों से इसके लिए जिला प्रशासन दरवाजा खटखटा रहे हैं। दिनेश कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से लिखा है कि पोटका प्रखंड कार्यालय की कार्यसंस्कृति सवालों के घेरे में है। सैकड़ों व्हीलचेयर वितरण की बजाय धूल फांक रहे हैं। यह लापरवाही नहीं,



जनसेवा के नाम पर मजाक है। इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। दिनेश कुमार ने मुख्यमंत्री और पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी से इस मामले में जवाब मांगते हुए निष्पक्ष जांच की

भाजपा नेता ने कहा कि दिव्यांगों को सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में यह स्थिति चिंताजनक है। मामले की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी



CHAIBASA: पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि कोल्हान प्रमंडल में ८२३ स्थानों पर छापेमारी कर ९८ ग्रामीणों पर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कर 15.64 लाख रुपये जुमार्ना वसूला गया। इसमें सबसे ज्यादा गरीब ग्रामीणों को निशाना बनाया गया। यह कार्रवाई उस सरकार के समय हो रही है, जिसने 200 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा कर लोगों को झूटे सपने दिखाए थे। वास्तविकता यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू बिजली कनेक्शन लेने में 4000 रुपये और शहरी क्षेत्र में 4500 रुपये का खर्च आता है। मीटर अलग से लेना पड़ता है। सरकार ग्रामीणों को बिजली उपयोग के प्रति प्रशिक्षित करे, न कि दंडात्मक कार्रवाई करे. जिनके पास बिजली नहीं है, उन्हें विभाग की ओर से कैम्प लगाकर तत्काल कनेक्शन दिया जाए। अन्यथा, हम सरकार की इस जनविरोधी नीति के खिलाफ बडा आंदोलन खडा करेंगे।

में 148 अभ्यर्थी चयनित



SERAIKELA: नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, चांडिल के तत्वावधान में गुरुवार को नीमडीह प्रखंड परिसर में एकदिवसीय रोजगार मेला लगाया गया, जिसमें 13 स्थानीय निजी संस्थानों ने १४८ अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया। सरायकेला–खरसावां के जिला नियोजन पदाधिकारी आलोक कुमार टोपनो ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को निकट भविष्य में नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। मेला का उद्घाटन बीडीओ कुमार एस. अभिनव व अंचल पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने किया था। उन्होंने बताया कि नियोजनालय-सह-मॉडल करियर सेंटर, चांडिल द्वारा समय–समय पर निशुल्क रोजगार मेला एवं करियर काउंसिलिंग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, ताकि युवाओं को उनकी दक्षता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध हो सके। रोजगार मेला में नियोजनालय के यंग प्रोफेशनल यूनिस औरेया, सुरेंद्र रजक, प्रीतोष कुमार, सुजीत सरदार

अघोषित आपातकाल के खिलाफ भी संघर्ष रहेगा जारी : माकपा



साकची में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते माकपा नेता

JAMSHEDPUR : देश में आपातकाल की घोषणा के 50 वर्ष पुरे होने के अवसर पर माकपा की पूर्वी सिंहभूम जिला कमेटी ने गुरुवार को साकची में नुक्कड़ सभा की। इस दौरान 50 वर्ष पूर्व पार्टी के समझौताविहीन संघर्षों को याद किया गया तथा संवैधानिक लोकतांत्रिक अधिकारों पर हो रहे हमलों के खिलाफ संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया। बिरसा मुंडा चौक पर हुई नुक्कड़ सभा में वक्ताओं ने कहा कि माकपा ने 1975 के आंतरिक आपातकाल के पहले 1971 से पश्चिम बंगाल में अर्ध-फासीवादी हमलों का सामना किया था। यह पहली पार्टी थी, जिसने 1972 में ही देशवासियों को बढ़ते तानाशाही शासन के खतरे से आगाह किया था। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में मिली हार, रेल कर्मचारियों की ऐतिहासिक हड़ताल, इलाहाबाद उच्च न्यायालय का आदेश और जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार-गुजरात में युवाओं व छात्रों समेत जनता के विभिन्न तबकों के लोकतांत्रिक आंदोलनों के बढ़ते प्रभाव ने सरकार को हिलाकर रख दिया और परिणामस्वरूप अलोकतांत्रिक तरीके से आंतरिक आपातकाल लागू कर दिया गया।

दूर होगा पढ़ाई का संकट, 44,750 प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षकों की बहाली जल्द : मंत्री

राज्य के १६८ इंटर कॉलेजों के २ लाख छात्रों को प्लस-२ स्कलों में किया जाएगा समायोजित

PHOTON NEWS GHATSILA: घाटशिला : राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने गुरुवार को कहा कि स्कलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए राज्य सरकार कुल 44,750 प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की बहाली करने जा रही है। इसके अलावा 26 हजार शिक्षकों की बहाली प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसकी काउसिलिंग चल रही है। इतना ही नहीं, जनजातीय भाषा में 10 हजार शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर भी प्रक्रिया अंतिम चरण में है, इसलिए राज्य में किसी भी स्कूलों में घाटशिला में प्रेस वार्ता के दौरान

शिक्षकों की कमी नहीं होगी। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण राज्य में

इंटर के छात्रों के भविष्य पर



घाटशिला में पत्रकारों को संबोधित करते मंत्री रामदास सोरेन

तलवार लटक रही है। लेकिन. हम किसी भी छात्र-छात्राओं के भविष्य से हम खिलवाड़ नहीं होने देंगे। राज्य के 168 इंटर कॉलेज के लगभग 2 लाख छात्र-छात्राओं को प्लस-2 स्कूलों में समायोजित किया जाएगा। इसे लेकर सभी प्लस-2 स्कलों में डीएमएफटी फंड से 4-4 कमरों वाला भवन बनाया जाएगा। इसके साथ ही इन स्कलों में शिक्षकों की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में देश की सबसे बेहतर

लाइब्रेरी जिला से अनुमंडल स्तर तक बनाई जाएगी। इसके लिए आर्किटेक्ट से नक्शा बनवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 सालों में 4885 दिन भाजपा की सरकार ने राज्य में काम किया। हमारी सरकार भी लगभग छह साल रही है, जिसमें दो साल कोरोना में चला गए। एक साल ईडी की जांच में गए। बचे तीन साल में हमने दर्जनों योजना धरातल पर उतारी, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है।

पेसा कानून पर उदासीनता को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने राज्य सरकार पर बोला हमला, कहा-

आखिर किससे डर रहे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, क्यों साधे हैं चुप्पी

घर से एक माह पहले हुई थी लाखों

की चोरी, सामान सहित दो गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी

हिन्द सिंह सिंक ने मफस्सिल थाना

में चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई

थी। एसपी के निर्देश पर अनुमंडल

पलिस पदाधिकारी-सदर चाईबासा

के नेतृत्व में एक विशेष टीम का

गठन कर पूरी मामले की जांच

पड़ताल शुरू की गई। तकनीकी

शाखा की मदद से चोरी हुए

मोबाइल का लोकेशन ट्रैक कर

छापेमारी की गई। दोनों के घर पर

छापेमारी कर चोरी गए सोने-चांदी

के गहने और मोबाइल फोन को

PHOTON NEWS JSR:

पेसा कानून को लेकर झारखंड सरकार की उदासीनता पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने गुरुवार को बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पेसा कानून लागू करने में टालमटोल कर रही है, जिससे उच्च न्यायालय के आदेश की भी अवहेलना हो रही है, जो लोकतंत्र और संविधान के लिए अत्यंत चिंताजनक है।

रघुवर दास ने बताया कि 2024 में ही झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को दो माह के भीतर पेसा कानून लागू करने का निर्देश दिया था, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। परिणामस्वरूप अब



उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव और पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव को अवमानना का नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता यह जानना चाहती है कि आखिर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इतने कमजोर क्यों हैं।किससे डर रहे हैं। क्या आदिवासी मुख्यमंत्री होने का सिर्फ चुनावी इस्तेमाल किया गया। 2019 में 'अबुआ राज' और आदिवासी नेतृत्व के नाम पर वोट लिया गया, लेकिन अब जब पेसा कानून लागू करने का समय आया, तो सरकार चुप्पी साधे बैठी है। इस दौरान रघुवर दास ने स्पष्ट किया कि

देश के 10 राज्यों में यह कानून लागू

रघुवर दास ने कहा कि पेसा कानून भारत के उन राज्यों में लागू होता है जहां पांचवीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्र घोषित हैं। ऐसे कुल 10 राज्य हैं, जिसमें 8 राज्यों में पेसा कानून लागू हो चुका है, जबिक केवल 2 राज्य ओडिशा और झारखंड बचे हैं। रघुवर दांस ने कहा कि ओडिशा में 27 वर्षों से बीजेडी की सरकार थी और वहां पेसा कानून लागू नहीं किया। झारखंड में 6 साल से आदिवासी मुख्यमंत्री हैं, पर यहां भी पेसा कानून फाइलों में दबा है।

धर्मातरण पर भी लगेगी रोक

दास ने कहा कि पेसा कानून आर्थिक सशक्तीकरण के साथ झारखंड की सांस्कृतिक विरासत और आर्दिवासी परंपराओं की रक्षा का एक सशक्त औजार है। कहाँ कि आज आदिवासी संस्कृति पर चौतरफा हमला हो रहा है। पेसा कानून लागू होने से माझी, परगना, पाहन, मानकी-मुंडा जैसे पारंपरिक जनप्रतिनिधियों को उनका अधिकार मिलेगा और धर्मांतरण व बाहरी हस्तक्षेप पर भी लगाम लगेगी।

पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में 2018 में ही पेसा नियमावली को लेकर 14 विभागों के सिचवों के साथ बैठक हुई थी और सभी तैयारियां पूरी की गई थीं, लेकिन चुनाव और आचार संहिता के चलते प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान

झामुमो-कांग्रेस सरकार ने 2023 में नियमावली का ड्राफ्ट तैयार कर आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए थे, जिन्हें विधि विभाग और एडवोकेट जनरल ने वैध करार दिया है। अब सिर्फ इसे कैबिनेट में मंजूरी देना बाकी है। उन्होंने बताया कि अगर पेसा नियमावली लागू नहीं

हुई तो 15वें वित्त आयोग की 1400 करोड़ रुपये की राशि लैप्स हो जाएगी, जिसका सीधा नुकसान राज्य के गांवों को होगा। कहा कि पेसा कानून लागू होने से ग्राम सभा को खनिज, वनोपज, बालू घाटों, तालाबों की नीलामी और अन्य स्थानीय संसाधनों पर कानूनी और आर्थिक अधिकार मिलेगा, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।पूर्व मुख्यमंत्री रघवर दास ने आरोप लगाया कि पेसा कानून को रोकने में विदेशी धर्म प्रचारक संस्थाओं की भूमिका रही है, जिन्होंने 2010 से 2017 तक इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में मुकदमे किए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि झारखंड में सिर्फ पांचवीं अनुसूची ही लागू होगी, न कि छठी अनुसूची।

थर्ड-फोर्थ ग्रेड में आरक्षण लगाए सरकार

प्रेस वार्ता में रघुवर दास ने पेसा कानून के साथ-साथ शेड्यूल एरिया में थर्ड और फोर्थ ग्रेंड की नौकरियों में स्थानीय युवाओं के लिए 10 वर्षों तक आरक्षण की पुरानी व्यवस्था को भी पुन: लागू करने की मांग की। उन्होंने कहाँ कि भाजपा सरकार ने यह व्यवस्था शुरू की थी, जिससे लाखों स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला था, लेकिन वर्तमान सरकार ने हाई कोर्ट में एफिडेविट देकर इसे खुद ही गलत टहराया और 60-40 की नीति लाग कर दी। उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात और राज्य सरकार को भेज गए पत्र का हवाला देते हुए कहा कि जब राज्यपाल और हाई कोर्ट जैसी संवैधानिक संस्था बार-बार सरकार को आदेश दे रही है, तब भी सरकार क्यों चुप है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही पेसा कानून लागू नहीं किया गया, तो भाजपा राज्यव्यापी आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।

मुखियाडांगा से आगे एनएच-१८ तक सड़क चौड़ीकरण की मांग अधूरी JAMSHEDPUR: मुखियाडांगा

चौक से देवघर, पोखरी, एंदेलबेडा, सिमुलडांग होते हुए एनएच-18 तक सड़क चौड़ीकरण और सीमांकन को लेकर 11 फरवरी को ग्रामीणों व पंचायत प्रतिनिधियों ने अंचल अधिकारी, मानगो को ज्ञापन सौंपा था। इसमें बताया गया था कि इस मार्ग पर वाहनों की अत्यधिक आवाजाही होती है और नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी, संत जोसफ स्कूल, आरवीएस इंजिनियररिंग कॉलेज सहित कई शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। रोजाना २०० से अधिक बस तीन-चार बार गुजरते हैं। संकरी सड़क और अतिक्रमण के कारण दुर्घटना और जाम की समस्या बढ़ रही है। लेकिन, इस पत्र को दिए 4 महीने से अधिक होने के बावजूद जिला प्रशासन की ओर से अब तक कोई टोस पहल नहीं की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही सड़क का सीमांकन व अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रारंभ नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।





शरीरको जर्जर कर सकतीहै

इस विटामिन कीकमी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन से भरपूर आहार लेना जरूरी है। अगर किसी एक विटामिन की कमी हो जाए तो इससे पूरी बॉडी पर असर पड़ता है।धीरे-धीरे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है और शरीर बीमारियों का घर बना जाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी सबसे जरूरी है। जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता देता है और उसे मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। अगर शरीर में विटामिन सी की कमी (Vitamin C Deficeieny) हो जाए तो इससे आप जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं। मामूली सर्दी जुकाम भी शरीर पर असर दिखाने लगता है । इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण बाल टूटने लगते हैं। हड्डियां कमजोर हो जाती है और चेहरे पर अर्ली एजिंग के निशान दिखने लगते हैं। विटामिन सी की कमी ओरल हेल्थ यानि आपके

दांत और मसूड़ों को भी प्रभावित करती है। यानि शरीर में विटामिन सी कमी होने पर पूरा ढांचा ही खराब होने लगता है।

आप विटामिन सी की कमी के लिए कुछ खास चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। जिससे शरीर को रोजाना की विटामिन सी की जरूरतों को पूरा करने में आसानी हो। खाने – पीने में ऐसी कई चीर्जें है जो आपकी विटामिन सी की डेली नीडस को पूरा कर सकती हैं। आइये जानते हैं विटामिन सी से भरपूर भोजन क्या है? किन चीजों में विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है?

विटामिन सी से भरपूर चीजें

आंवला – विटामिन सी के लिए आवला को सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है। आंवला में भरपूर विटामिन सी पाया जाता है। डेली किसी भी तरह 1 आंवला खाने की कोशिश करें। एक मीडियम साइज

का आंवला खाने से 600 – 700 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है। आप रोजाना आंवला का जूस, आंवला पाउडर, आंवला का अचार या आंवला की चटनी खा सकते हैं।

अमरूद – ज्यादातर लोगों को लगता है कि सिर्फ खट्टी चीजों में ही विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। फलों में अमरूद विटामिन सी से भरपूर माना जाता है।एक मीडियम साइज का अमरूद रोजाना खाने से करीब 228 मिलीग्राम विटामिन ष्ट मिलता है। इसलिए डाइट में अमरूद जरूर शामिल करें।

कीवी – फलों में रोजाान कीवी खाने से भी विटामिन सी की कमी को दूर किया जा सकता है। इसलिए रोजाना १ कीवी जरूर खाया करें। १ कीवी में लगभग 92 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। जिससे आपको डेली की जरूरतों को काफी हद तक पुरा कर सकते हैं।

पपीता – लगभग १ कप पपीता खाने से शरीर को 88 मिलीग्राम विटामिन सी मिल जाता है। इसलिए पपीता को डेली डाइट में शामिल करें। पपीता गर्मियों में पेट को हेल्दी रखने में मदद करता है और इससे शरीर को दूसरे जरूरी विटामिन भी मिल जाते हैं। पपीता खानें से विटामिन सी की कमी दूर हो सकती

संतरा और नींबू – विटामिन सी के लिए संतरा, मौसमी और नींबू कों भी बहुत अच्छा माना जाता है। सिट्रिक फ्रूट्स में विटामिन सी पाया जाता है। रोजाना एक मीडियम संतरा खाने से शरीर में 70 मिलीग्राम विटामिन सी पहुंचता है। आप संतरा का जूस भी पी सकते हैं।वहीं 100 ग्राम नींबू खाने से भी करीब 50-60 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है।

गर्मियों में ककड़ी खाने के फायदे

ककड़ी में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के. पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। गर्मियों में ककड़ी का सेवन कर आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को पैदा होने से रोक सकते हैं। आइए सही मात्रा में और सही तरीके से ककड़ी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

नहीं होगा डिहाइड्रेशन

रोज ककड़ी खाने की वजह से आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और आप गर्मियों में होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बच जाएंगे। ककड़ी को हिंडुयों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बुस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी ककड़ी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कुल मिलाकर ककड़ी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है।

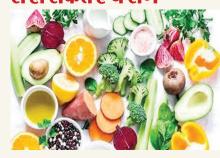
गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

ककड़ी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ककड़ी का सेवन किया जा सकता है। ब्लंड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए ककड़ी को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ककड़ी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है।

सेवन करने का तरीका

ककड़ी को आप सलाद में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको सलाद के तौर पर ककड़ी का सेवन करना पसंद नहीं है, तो आप ककड़ी का जूस बनाकर भी पी सकते हैं। अगर आप चाहें तो ककड़ी का रायता भी बना सकते हैं।

विटामिन बी१२ की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग



विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी 12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी 12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी 12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी 12 से भरपूर खाने – पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

किन लोगों को मट्टा पीने से परहेज करना चाहिए?



गर्मियों के मौसम में लोगों को छाछ पीना काफी पसंद होता है। छाछ शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाने का काम करती है। लेंकिन क्या आप जानते हैं कि छाछ आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है? कुछ लोगों को छाछ को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाने से बचना

चाहिए वरना उनका सहत बुरा तरह स प्रभावित हो सकता है । आईए छछि पान क कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

गले से जुड़ी समस्या

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक अगर आप सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी गले से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो आपको छाछ का सेवन करने से बचना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छाछ की तासीर ठंडी होती है। यही वजह है कि खांसी–जुकाम में छाछ पीने की वजह से आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड सकती है।

एक्जिमा का शिकार लोग

अगर आपको एक्जिमा है, तो आपको छाछ को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए। छाछ में मौजूद कुछ तत्व आपकी त्वचा की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। एक्जिमां का शिकार लोगों को मट्टा पीने से त्वचा पर जलन, खुजली या फिर लालपन जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

लैक्टोज इनटॉलेरेंट

क्या आप लैक्टोज इनटॉलेरेंट हैं? अगर हां, तो आपको छाछ नहीं पीनी चाहिए वरना आपकी तबीयत खराब हो सकती है। लैक्टोज इनटॉलेरेंस की समस्या से जूझ रहे लोगों को छाछ या फिर दूध से बनी चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। इस तरह के लोग दूध को सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं कर पाते जिसकी वजह से उनकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो आपको छाछ पीने से बचना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं ।

गर्मियों में पेट के लिए वरदान है सौंफ

खाते ही जलन-एसिडिटी को करता है दूर



गर्मियों में पेट से जुड़ी समस्याएं काफी परेशान करती हैं।जरा सा तेल मसालेदार खाना खाने से ही जलन, गैस और एसिडिटी होने लगती है।ऐसा लगता है कि खाने में सिर्फ ठंडी चीजों को ही शामिल करें। खाने के बाद जिनको ज्यादा ब्लोटिंग होती है उन्हें डाइट में कुछ घरेलू चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे गैस एसिडिटी कम हो। रसोई में रखी ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें खाने से पेट की जलन और गैस एसिडिटी को कम किया जा सकता है। इसके लिए सौंफ बेहतरीन मसाला है।सौंफ खाने से पेट ठंडा रहता है।गर्मियों में खाने के बाद 1 चम्मच सौंफ खाने से डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं नहीं होती हैं। जानिए कब और कैसे करें सौंफ का इस्तेमाल?

पेट की जलन दूर कर देगा ये मसाला

गर्मियों में सौंफ का सेवन जरूर करना चाहिए। सौंफ की तासीर ठंडी होती है। गर्मियों में कई ड्रिंक्स और दूसरी डिश में सौंफ का उपयोग किया जाता है। आप सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और जलन कम होगी। गैस एसिडिटी को भी सौंफ खाकर दूर किया जा सकता है।

सौंफ को खाने के बाद ऐसे ही चबाकर खा सकते हैं। सौंफ और मिश्री मिलाकर भी खा सकते हैं। सौंफ को पीसकर पाउडर बना लें। पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का पाउडर खा लें। आप चाहें तो सौंफ का पानी भी पी सकते हैं। एसिडिटी बहुत ज्यादा बनने वालों को सुबह खाली पेट

कैसे करें सौंफ का

सेवन

कुछ दिनों सौफ का पानी पीना चाहिए।

सौंफ के फायदे

सौंफ का सेवन करने से पाचन मजबूत होता है। सौंफ में फाइबर भरपुर होता है जिससे डाइजेशन में मदद मिलती है।

सौंफ लिंवर के लिए भी अच्छी मानी जाती है। सौंफ का सेवन करने से लिवर डिटॉक्स होता है। इससे शरीर में जमा गंदगी साफ

सौंफ खाने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। शरीर पर जमा फैट कम होने लगता है।

पुरानी कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए सौंफ का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। कब्ज से परेशान लोगों को सौंफ जरूर खानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने में भी सौंफ मदद करती है। इससे बीपी कंट्रोल होगा और दिमाग भी शांत होगा।

सौंफ का सेवन फीड कराने वाली महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है।

फायदेमंद होता है धनिए का प

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक धनिए के पानी में विटामिन सी, ए, के, बी6, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, कॉपर, जिंक, सेलेनियम, मैंगनीज, सोडियम, फोलेट, थायमिन, नियासिन, एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–बैक्टीरियल और एंटी– इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक धनिए के पानी में पाए जाने वाले तत्व आपकी गट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। क्या आप गैस, एसिडिटी या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको धनिए के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। धनिए का पानी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर



आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकता है।

बॉडी को डिटॉक्स करने में कारगर

धनिए का पानी पीकर आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर अपनी

किडनी और अपनी लिवर के सेहत को मजबूत बना पाएंगे। धनिए के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में असरदार साबित हो सकते हैं। धनिए का पानी पीकर आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं यानी डायबिटीज पेशेंट्स के लिए ये ड्रिंक फायदेमंद साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से धनिए के पानी को कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

कैसे बनाएं धनिए का पानी?

धनिए का पानी बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले धनिए के बीजों को रात भर के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब आप अगली सुबह इस पानी को छानकर पी सकते हैं। इसके अलावा धनिए की पत्तियों को पानी में बॉइल करके भी कंज्यूम किया जा सकता है।

आपातकाल का काला अध्याय : एक त्रासद स्मृति



अर्जुन राम मेघवाल

आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की सवैधानिक विरासत की समझ को झकझोर कर रख दिया था। इंदिरा गांधी ने २५ जूनङ्क १९७५ की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरोद्दीन अली अहमद को सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद ३५२ के तहत ह्यआतरिक अशाति' के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था

चास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसने देश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था जब ह्ललोकतंत्र की जननीह्न कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गई और इसी बीच इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत ह्रआंतरिक अशांतिह्र के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगले दिन 26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत

इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरूआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गई। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है- को संविधान की ह्रआत्माह्न कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया। आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा(मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था। इस कालखंड में देश की लोकतात्रिंक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोजमर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को



पुरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गए थे। हालांकि वे बच गए, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश 1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया।

उस काले दौर में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग केवल एक परिवार के हित में किस हद तक किया गया, इसका सबसे बड़ा उदाहरण 24 मार्च 1976 को संजय गांधी की बीकानेर यात्रा थी। न तो उनके पास कोई संवैधानिक पद था, न ही वे राजकीय अतिथि थे, फिर भी उनके स्वागत में सरकारी संसाधनों की खुलकर बबार्दी की गई। उस समय मैं डाक एवं तार विभाग में टेलीफोन ऑपरेटर था और मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि रैली में विशिष्ट लोगों के लिए बनाए गए मंच के नीचे अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन लगाने के आदेश दिए गए-जबिक ऐसी व्यवस्था केवल प्रधानमंत्री के लिए की जाती है। यह घटना सरकारी तंत्र पर संजय गांधी के न केवल अनुचित प्रभाव को दशार्ती है, बल्कि यह बताती है कि कैसे तत्कालीन सरकारी तंत्र को व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु काम करने के लिए विवश कर दिया गया था।

ऐसे दौर में जबिक सामान्य जनता के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, तब जनता के पैसों से किए गए ऐसे दिखावे संविधान की गरिमा के प्रति घोर उपेक्षा और सरकार के नैतिक पतन को दशार्ते हैं। वह भारत में लोकतंत्र के हनन का सबसे बुरा दौर था।

आपातकाल के दौरान संविधान में सरकार के तानाशाही रवैये की पृष्टि करने वाले संशोधन किए गए जिससे लोकतंत्र की आत्मा को गहरी चोट पहुंची और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न अंगों के बीच असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हुई। संविधान में 38वां संशोधन करके आपातकाल की घोषणा

की समीक्षा करने में न्यायालय की भूमिका समाप्त कर दी गई तथा अध्यादेश जारी करने के मामले में राष्ट्रपति व राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए गए। इसके तुरंत बाद 10 अगस्त 1975 को लागू किए गए 39वें संविधान संशोधन द्वारा से न्यायालयों को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं लोकसभा अध्यक्ष जैसे उच्च पदों से जुड़े चुनावी मामलों की न्यायिक समीक्षा करने से रोक दिया गया। यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री के विरूद्ध दिए गए निर्णय के बाद श्रीमती गांधी को न्यायालय के प्रति जबावदेही से बचाने की एक सोची-समझी चाल थी। ऐसा करके न्यायपालिका की स्वतंत्रता को जानबूझकर कुचला गया। इस संविधान संशोधन के बाद ह्यए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्लाह्न के मामले की काफी चर्चा हुई थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित करने के निर्णय को सही ठहराया था। उस मामले में न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना ही अकेले न्यायाधीश थे जिन्होंने उस निर्णय से अपनी असहमति जताई थी और नागरिक स्वतंत्रता का समर्थन किया था। बाद में श्री खन्ना को वरिष्ठतम होने के बावजुद भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया गया और ऐसा करना न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा प्रहार था। आपातकाल के दौरान श्रीमती गांधी की सत्तालोलुपता का एक दूसरा उदाहरण 42वें संविधान संशोधन करना था जिसके माध्यम से लोकसभा का कार्यकाल पाँच वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष कर दिया गया। ऐसा करके लोकतंत्र में जनादेश की गरिमा को और अधिक कम किया गया और आम चुनाव कराए बिना सरकार के कार्यकाल को बढ़ा दिया गया। इस संशोधन के द्वारा संविधान की उद्देश्यिका में तीन नए शब्द सामाजिक, पंथिनरपेक्ष और अखंडता जोड़े गए और ऐसा करके मूल संविधान से छेड़छाड़ की गई। आपातकाल के दौरान सरकार द्वारा 48 अध्यादेश जारी किए गए और इन्हें पारित करने में संसद में चर्चा, विधेयकों की जांच-पड़ताल और संशोधन करने की प्रक्रिया की अनदेखी की गई। आपातकाल के बाद गठित शाह आयोग ने इतिहास के उन काले दिनों के दौरान ढेर सारे लोगों को बेवजह नजरबंद करने, गरीबों की जबरन नसबंदी करने और सत्ता के संस्थागत रूप से दुरूपयोग की

भयावह तस्वीर प्रस्तुत की थी। इस तानाशाही शासन के दौरान लोकतंत्र के चौथे स्तंभ प्रेस का भी गला घोंटा गया। जो पत्रकार सहानुभूतिपूर्वक विपक्षी नेताओं की खबरों को प्रकाशित कर रहे थे उन्हें जेल भेजा गया। महात्मा गांधी द्वारा स्थापित सम्मानित नवजीवन प्रेस को जब्त कर लिया गया, यह स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत पर सीधा हमला था। चार प्रमुख समाचार एजेंसियों–प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान समाचार और समाचार भारती–को जबरदस्ती मिलाकर समाचार नामक एक संस्था बना दी गई। आज, 50 वर्ष बाद, कांग्रेस की दोहरी मानसिकता उजागर हो चुकी है–एक ओर वे ह्यसंविधान बचाओ यात्राह्न के नाम पर भ्रम फैलाते हैं, दूसरी ओर अपने पूर्वजों द्वारा किए गए संविधान के अपमान पर चुप रहते हैं। श्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को लोकसभा में भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के इस भयावह काले अध्याय के बारे में गर्व से कहा, ह्वआपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था ह्व यह कथन यह दशार्ता है कि कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता सर्वोच्च है। हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी उस समय मात्र 25 वर्ष के थे, लेकिन उन्होंने साहसपूर्वक इस तानाशाही शासन का विरोध किया। उन्होंने अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग नामों से भूमिगत रहकर गुप्त बैठकों का आयोजन किया और आपातकाल विरोधी साहित्य व पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन एवं वितरण में यत से जुटे रहे। जब आरएसएस को प्रतिबंधित कर दिए जाने के कारण इसे भूमिगत होना पड़ा तब मोदी जी ने गुजरात लोक संघर्ष

विगत में संविधान की आत्मा पर किए गए गहरे प्रहार की याद में मोदी सरकार ने 11 जुलाई 2024 को जारी की गई गजट अधिसूचना के माध्यम से 25 जून का दिन ह्यसंविधान हत्या दिवसह्न के रूप में मनाने की घोषणा की। यह दिन उस विश्वासघात की याद दिलाता है जो आपातकाल के दौरान संविधान के मल सिद्धांतों के साथ किया गया था। यह प्रत्येक नागरिक को लोकतंत्र का जागरूक प्रहरी बनने की प्रेरणा देता है, ताकि हम इतिहास के उन काले अध्यायों से सीख प्राप्त करें और हम काफी यत्न से प्राप्त की गई स्वतंत्रता के मुल्यों की रक्षा कर सकें। देश में आपातकाल का काला अध्याय 50 वर्ष पहले समाप्त हो गया है लेकिन वह भयावह दौर हमें इस बात की याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमें हमेशा सजग प्रहरी बने रहने की आवश्यकता है। हमारा संविधान पीढ़ियों की कुर्बानियों, बुद्धिमत्ता, आशाओं और आकांक्षाओं का परिणाम है। आज जब भारत हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में ह्यविकसित भारत @ 2047ह्न की ओर अग्रसर है, तो हमें एक जीवंत और विकसित लोकतांत्रिक राष्ट्र के निर्माण हेतु अपने नागरिकों के संकल्प से सामर्थ्य प्राप्त कर राष्ट्र की पवित्रता की रक्षा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को एक बार फिर से दोहराने की आवश्यकता है।

समिति के महासचिव के रूप में लोकतंत्र की रक्षा हेतु अहम

(केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार)

संपादकीय

खतरे की घंटी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस्राइल-ईरान के दरम्यान अस्थाई युद्धविराम के राजी होने के ऐलान के कुछ देर बाद ही हमले पुनः चालू हो गए। ईरानी सेना का आरोप है कि ऐलान के कुछ देर बाद ही इस्रइल की तरफ से हवाई हमलों की बौझार शुरू हो गई जिसमें चार की जान गई जबिक इस्रइल का कहना है कि ईरान की तरफ से दो मिसाइलें दागी गई जिन्हें उसने निष्क्रिय कर दिया। हालांकि ट्रंप ने कहा था कि इस्रइल अपने लड़ाकू विमान वापस बुलाएगा और वह ईरान में शासन परिवर्तन की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। परंतु हमलों के जारी रहने के बाद देर शाम अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मख्यालय पेंटागन की खफिया रिपोर्ट से पता चला कि परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों से ईरान का कार्यक्रम नष्ट नहीं हुआ है जबिक व्हाइट हाउस ने खंडन करते हुए इसे पूरी तरह गलत कहते हुए इसे टंप को नीचा दिखाने का प्रयास बताया। रिपोर्ट के अनसार कुछ ढांचे नष्ट या क्षतिग्रस्त हुए हैं। मगर ज्यादातर सेंट्रीफ्यूज सुरक्षित हैं। शीर्ष अधिकारी पहले ही दावा कर रहे थे कि ईरान ने संवर्धित यूरेनियम का कुछ हिस्सा अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया था। ट्रंप इसे फेक न्यूज बता रहे हैं। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने एक न्यूज चैनल से कहा, यह देशद्रोह है, इसकी जांच होनी चाहिए। हमलों के बावजूद इस्रइल और ईरान के मीडिया अपने-अपने देशों की विजय का दावा कर रहे हैं। ईरान पहले ही अमेरिका को चेता चुका था। तनाव की स्थिति में कहना जल्दबाजी होगी कि खतरा टल गया है। इराक, बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन, सीरिया, कतर जैसे देशों में अपने सैन्य अड्डे ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों की रेंज में आने के कारण अमेरिका के लिए चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। वास्तव में यदि दोनों पक्ष युद्धविराम का उल्लंघन करने पर तुले हैं तो यह योजनाबद्ध प्रतिशोध वैश्विक चेतावनी का सूचक है। ट्रंप के ट्रथ सोशल पर लिखने, कि इस्रइल बम मत गिराओ इसे उल्लघंन माना जाएगा, को इतिहास में अमेरिका की तरफ से सबसे कड़ी फटकार मानी जा रही है। परंतु इस सारे मसले में अमेरिका को स्वार्थ त्याग कर स्पष्ट रूप से विश्व शांति के प्रयास करने चाहिए। अगर वह महाशक्ति है तो चीन/रूस भी अपने कदम पीछे लौटाने की बजाए संघर्ष को प्राथमिकता देंगे। ट्रंप के आलोचक उनके इस कदम को न सिर्फ जोखिम भरा कह रहे हैं, बल्कि युद्ध शक्ति अधिनियम का उल्लंघन भी ठहरा रहे हैं। बेशक, खतरा टला नहीं है।

चिंतन-मनन

प्रीध का जवाब प्रीध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था।.....



नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। यह 21-22 जून, 2025 की मध्यरात्रि के आसपास ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के नेतृत्व में किए गए गुप्त सैन्य हमले का कोडनेम है।इसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना था । जो लगभग सफल रहा है इस समन्वित हमले में 125 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर, 14 जीबीयू-57 बंकर-बस्टर बम की तैनाती और फारस की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी पनडुब्बियों से

लॉन्च की गई 30 से अधिक टॉमहॉक मिसाइलें शामिल थीं। सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परमाणु सुविधा नष्ट हो गई है, विकिरण बाहर नहीं आ सकता क्योंकि यह बहुत गहरे भूमिगत में था। यह हमला पहली बार था जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे बड़े बंकर-बस्टिंग बम, जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) का इस्तेमाल किसी ऑपरेशनल संघर्ष में किया था। इस अभियान में फोर्डी और नतांज में दो यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं और इस्फहान में एक सर्विधा को निशाना बनाया गया. जो टागन ने हाल ही में घोषणा की कि अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित कई गतिविधियों ने ईरान पर जो अभियान चलाया था. उसका का संचालन करती है। नतांज और फोर्डो ईरान में एकमात्र परिचालन संवर्धन सुविधाएँ हैं। अमेरिका ने नातान्ज और फोर्डो पर एमओपी से सुसज्जित बी-2 बमवर्षकों से हमला किया तथा केवल इस्फहान पर टॉमहॉक क्रुज मिसाइलों से हमला किया। फोर्डो इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ईरानी शहर कोम से 29 किलोमीटर उत्तर में एक पहाड़ के भीतर स्थित, फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भीतर एक अत्यधिक संरक्षित और रणनीतिक रूप से केंद्रीय स्थल है। इसकी भूमिगत स्थिति संभावित हवाई बमबारी के

खिलाफ महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है, एक डिजाइन विकल्प जो इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का संकेत देता है। यह सुविधा लगभग 54,000 वर्ग फीट में फैली हुई है और माना जाता है कि इसमें 3,000 सेंट्रीफ्यूज हैं। 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना की शर्तों के तहत, ईरान को फोर्डो में संवर्धन गतिविधियों का संचालन करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। बी-2 बमवर्षक विमान जमीन से 200 फीट नीचे तक बहुत ही आक्रामक होता है, चाहे वह स्टील हो या कंक्रीट अब जबसिजफायर की घोषणा हुई है तो शांति से काम लेना चाहिएदुसरे देश ईरान पर युद्ध के लिए दबाव बना रहे हैं कि ईरान को परमाण बम मिल जाएगा जिससे तनाव का माहौल बन रहा है। ट्रंप ने जो भी कहा है कि इजरायल उसके खिलाफ कभी कुछ नहीं करेगा। ईरान को परमाण बम मिलने पर पूरी तरह से ईरान आक्रामक पूरी तरह से आक्रामक हो गया हैजिससे आम जनता को नुकसान हो रहा है 1960 के दशक की शुरूआत में, राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी को एक जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसने उनके प्रशासन को इजरायल की गुप्त परमाण् महत्वाकांक्षाओं में उलझा दिया। इस संघर्ष के केंद्र में

इजरायल का परमाणु हथियार कार्यक्रम था, जिसका जेकेएफ (खऋड) ने कड़ा विरोध किया, खासकर यह पता चलने के बाद कि देश अत्यधिक संदिग्ध परिस्थितियों में संयुक्त राज्य अमेरिका से यूरेनियम प्राप्त कर रहा था। इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और चुराए गए यूरेनियम का मामला दशकों से साज़िश और संदेह का स्त्रोत रहा है, कुछ विशेषज्ञों ने तो यह भी सुझाव दिया कि इजरायल के परमाणु विकास के प्रति कैनेडी के विरोध ने 1963 में उनकी दुखद हत्या में योगदान दिया हो सकता है। परमाणु प्रसार पर कैनेडी की स्थिति अडिग थी। उन्होंने परमाणु हथियारों के प्रसार को वैश्विक सरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखा, और इजरायल की परमाण महत्वाकांक्षाएं उनके लिए एक बड़ी चिंता का विषय थीं। राष्ट्रपति ने इजरायल सरकार पर अपने गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव डालने की कोशिश की, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (क्अएअ) द्वारा इजरायल की डिमोना परमाणु सुविधा के संस्थागत, नियमित निरीक्षण के लिए दबाव डाला। यह न केवल एक कुटनीतिक चिंता थी बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए राष्टीय सरक्षा का मामला था।

देश की एकता व अखंडता के लिये खतरनाक है भाषाई विवाद

युद्ध में संयम और धैर्य जरूरी



द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई

दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा

लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेजी को रोजगार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेजी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबिक कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमजोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नजरों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो

ऐसे भी हैं जो अंग्रेजी में प्रभावी ढंग से संवाद करने

के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त

और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण

अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से

अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर

वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके

अंग्रेजी बोलने के कौशल को दशार्ते हैं। इसी तरह

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनियक भी रहे हैं. अंग्रेजी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चचाओं में प्रायः अंग्रेजी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेजी बडे ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं. विशेष रूप से बनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेजी उनकी काबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेजी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेजी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेजी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेजी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद जरूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेजी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेजी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेजी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों.सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका,ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। जाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेजी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी ?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दुतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में खासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेजी भाषा को शर्म वाली भाषा तो हरगिज नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेजी नाम तो न रखते ? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेजी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है । डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेजी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कडी है और इसे कमजोर करना देश की एकता

के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्यनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी संकीर्ण राजनीति का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेजी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोडने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेजी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है। इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नजरअंदाज करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेजी बोलने वालों को हमेशा इज्जत की नजर से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा,उपयोग की वस्तुयें,क्रॉकरी,मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीजों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे ? इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण जरूर बढ़ सकता है। खासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद खतरनाक है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Has India forgotten the 'smart power' lessons Narasimha Rao employed

A spectacular display of strategic autonomy in world politics appeared on Sunday at the United Nations Security Council emergency session after the US-led strikes on Iranian nuclear sites. Pakistan joined hands with Russia and China to propose a resolution demanding an "immediate and unconditional ceasefire". While the draft resolution did not explicitly name the US or Israel, it condemned the attacks on Iranian nuclear facilities. To pass, the resolution requires the backing of at least nine members— which it has reportedly secured—but also not attract any veto by the permanent members. That proviso makes it a non-starter, since the US won't censure itself. Nonetheless, it is an astonishingly assertive display of strategic autonomy by Pakistan within a week after the lunch hosted by US President Donald Trump for Pakistan's army chief General Asim Munir at the White House and their one-onone conversation. Trump has a way of intimidating people positively or negatively. He could not find time to meet Prime Minister Narendra Modi on the sidelines of G7 summit last week, but instead invited him to the White House. Trump probably intended to get Modi and Munir together, which would have been a feather on his cap as a 'mediator'. So typical of Trump! But Modi preferred to visit 'Mahaprabhu's land', Odisha.

How does Gen Munir get away with such blatantly provocative 'multi-alignment'—to borrow External Affairs Minister S Jaishankar's coinage? The answer is that the exceptional hospitality Munir received at the White House did not cloud his firm judgement about the highest importance of Islamabad acting—and be seen as acting—as Iran's best friend in the neighbourhood at such a time of trial and tribulation in that country's 2,700-year history, when it faces an existential threat from the US-Israel juggernaut.

Alas, India lacks such clarity of mind about the importance of Iran. Some 30 years ago, the UN arena in Geneva witnessed another diplomatic pirouette involving Pakistan and Iran, when Iran killed an Organisation of Islamic Cooperation resolution sponsored by Pakistan at the UNHRC condemning India's alleged human rights violations in Kashmir. Iran was responding to an Indian request made personally by Jaishankar's then predecessor, the late Dinesh Singh. I had accompanied Singh on that historic mission—'historic' because Prime Minister Narasimha Rao had ordered such a diplomatic initiative on the basis of a meticulous assessment that the OIC resolution had a good chance of getting approval at the UNHRC, which, we feared, might lead to the reopening of Kashmir file at the Security Council in New York. Neither Boris Yeltsin's Russia nor Bill Clinton's America was a dependable friend at that time. Rao, our only statesman who draws comparison with Jawaharlal Nehru in sheer erudition, took that audacious decision since he was a scholar-politiciandiplomat himself who spoke Persian and was deeply immersed in Iran's history to comprehend the subtlety and sophistication of the Iranian mind—and its intense desire for a close relationship with India. Fortunately, in Singh, too, we had a rare foreign minister who genuinely believed in India's independent foreign policy and strategic autonomy. Indeed, Rao and Singh made a great combination as statesmen. Although neither wasted time spinning airy geostrategies to educate their peer groups in western capitals, they were real practitioners of what Joseph Nye would call 'smart power' in politics. Suffice to say, not only did Iran support us, but they also arranged an impromptu meeting for Singh with China's foreign minister Qian Qichen, who happened to be in Tehran on that day. To our great delight, Qian, who was a politburo member too, told Singh that Kashmir was a backlog of colonial history and a purely bilateral issue between India and Pakistan that ought to be resolved by the two countries directly.

Congress May Have Finally Solved Its Tharoor Dilemma In Kerala

With the Nilambur by-election in the bag, maybe the Congress can finally put the sordid Tharoor saga behind it and concentrate on the challenging panchayat and assembly elections looming ahead.

The Congress party's victory in Kerala's Nilambur byelection has pretty much sealed the fate of its high-profile dissident Lok Sabha MP from the state capital, Shashi Tharoor. The Thiruvananthapuram MP had deliberately boycotted the campaign on the plea that he was "not invited" to address any rallies. The Congress won anyway, wresting the seat back from the Communist Party of India (Marxist) (CPI-M) with a handsome margin of more than 11,000 votes. The outcome is a huge morale booster for the Congress, coming as it does a few months before next year's crucial assembly polls, which the party hopes to win and end its losing streak in the state elections that followed the big 2024 battle last summer.

The 'Tharoor Effect'

The verdict also lays to rest fears of the Tharoor effect in Kerala, because of which the Congress leadership had been handling him with care despite his flirtation with the Bharatiya Janata Party (BJP) and his defiant admission of "differences" with his party.One swallow does not make a summer. The win in Nilambur is no guarantee of a state-wide victory for the Congress in Kerala's complex demographic landscape. The next big hurdle for the Congress is the upcoming panchayat polls due towards the end of the year. Five years ago, the CPI(M)-led Left Democratic Front (LDF) had swept these elections, paving the way for its stunning second consecutive victory in the assembly face-off that followed a few months later. The LDF is no pushover, and as the numbers in Nilambur show, it put up a strong fight despite the presence of a rebel candidate who cut into its votes. The Congress, therefore, dare not rest on its Nilambur laurels and depend on anti-

incumbency - visible in the by-poll - to see it through the panchayat elections first and then the assembly faceoff. However, what the Congress party's success in Nilambur has done is to render Tharoor less relevant in its political calculations for both battles. Congress circles are confident that he has lost his damage potential and that going ahead, they can afford to ignore him.

The Post-Op Sindoor Outreach

Perhaps Tharoor had an inkling of the Nilambur outcome and read the writing on the wall. It is significant that on the morning of the result day, an article penned by him appeared in an English newspaper widely read in the South, in which he called Prime Minister Modi "a prime asset for India on the global stage". The article was ostensibly about the Modi government's post-Op Sindoor outreach, in which Tharoor led one of the seven international delegations that travelled across the world. There, he heaped praises on the Prime Minister for "his energy, dynamism and willingness to engage". In what is being seen as an oblique disapproval of his party's repeated criticism of the government, Tharoor said the

Congress Indifferent?

win because, for the first time since Tharoor began his campaign to needle his party, regular baiters like Jairam Ramesh did not carp about the fulsome compliments for

PM "deserves greater backing".

Perhaps the Congress was busy celebrating its Nilambur

a wake-up call for Tharoor. Is he on the margins of irrelevance in Kerala?

Tharoor's main dilemma now is this: he's lost his exalted status in the Congress, and the CPI(M) will not have him. But is the BJP ready to accommodate him, and if yes, in what capacity? At one point, there was speculation that Tharoor would be useful for the BJP to make a breakthrough in Kerala, which has been off-limits to the party since the state's inception despite an active RSS and ABVP presence.

Why ABJP Journey Won't Be Smooth

There are two difficulties here. One is Tharoor's own diminished stature in the state after he butted heads with

> his party in Nilambur and came off badly. The other is the BJP's politics. The party ran a polarising campaign in Nilambur, in which it accused both the Congress and the CPI(M) of pandering to Islamic fundamentalists and extremist elements. It had hoped to woo both Hindu and Christian votes in the constituency through highvoltage propaganda. However, voters weren't happy. The BJP's candidate, Mohan George, not only polled marginally fewer votes than in the last election but even lost his security deposit.

Congress Gets Some Breathing Space

Nilambur is an assembly segment in Priyanka Vadra's Wayanad Lok Sabha constituency. It has been a traditional Congress stronghold, but in the last two assembly elections, the seat was won by the LDF.

It is populated by Hindus and Muslims in roughly equal numbers and has a sizable Christian population as well. An initial study of the results suggests the Muslims consolidated in large numbers behind the Congress. The party also retained the support of the Christians.

Congress circles hope that if this pattern repeats itself in other parts of Kerala, it will be able to recapture the state after a decade out in the cold. With the Nilambur byelection in the bag, maybe the Congress can finally put the sordid Tharoor saga behind it and concentrate on the challenging panchayat and assembly elections looming ahead. For the party to retain political relevance, it is vital that it wins both polls and proves that it is still a force to reckon with, at least in the southern states.



Modi from one of their own MPs. In fact, few bothered to respond to what Tharoor wrote.

This was in sharp contrast to the daily war of words that broke out between Tharoor and his critics in the party, such as Ramesh and Pawan Khera, to name a few, while the Thiruvanthapuram MP was jetting his way around the American continent extolling the virtues of Operation Sindoor.Congress spokespersons lost no opportunity to mock Tharoor, and he responded in kind. The petty level of the exchanges caused much mirth in BJP circles, which could not hide their glee that yet another favourite of the Gandhi family had turned rogue and was giving his party sleepless nights.

What's Next?

Many in the Congress feel that the Nilambur verdict may be

Hate crime bill needs balanced execution

The law aims to suppress prejudice, and could have a sobering effect on fringe political elements whose vitriolic speeches lead to sharp divisions

The Karnataka government intends to take on the newage maladies of hate speech, hate crimes and fake news with two bills. The Karnataka Misinformation and Fake News (Prohibition) Bill proposes to make the spreading of fake news a non-bailable, cognisable offence. Meanwhile, the Karnataka Hate Speech and Hate Crimes (Prevention and Control) Bill, modelled along a similar national law, defines hate crime as an act that "causes harm, incites violence, or spreads hatred based on identity markers such as religion, caste, gender, sexual orientation, tribe, language or disability"; hate speech is defined as "any form of communication-verbal, written, visual or digital—that is intended to promote hosti harm". The former bill would include content shared on digital media and make social media platforms, telecom operators and internet service providers liable to face legal action, with up to three years in prison and a fine of ?5,000. Spreading fake news online could invite prison terms of up to seven years and a fine of

It is commendable that the government is taking on the

hydra-headed monster called fake news, which feeds on itself and has become the cause of much social discord. The law aims to suppress prejudice, and could have a sobering effect on fringe political elements whose vitriolic speeches lead to sharp divisions. "Hurting religious sentiments" has become an oft-used phrase while targeting certain communities or castes, and is interpreted at will. The new laws are likely to bring in clear definitions of hurt and hate, and aid lawenforcing agencies in discerning malicious

While it is almost impossible to filter through the vast folds of social and other media, the proposed laws give district authorities sweeping powers to crack down on offenders. They are expected to face resistance on the grounds of otecting the freedom of speech. A balan implementation would be essential, as the laws could be misused against honest expression and as a political tool. The drafts exempt artistic

works, academic research, factual journalistic reporting and religious discourse, provided the content does not incite violence. It is laudable that the government is making a concerted effort to rein in communalism and foster an atmosphere of positivity.

Hearing Kashmir's call for progress

Following the Pahalgam attack, Kashmiris united in an unprecedented manner to condemn terrorism. It highlighted the social cohesion and empowerment reflected in last year's Lok Sabha and assembly elections. It shows that Kashmiris' yearning for empowerment can't be easily doused now

In the prevailing wilderness of global and national events, public attention has partly shifted away from the Pahalgam terror strike that was followed by the response of Operation Sindoor only a few weeks ago. What may have gone unnoticed are a few signs of a move back to normalcy shown in Jammu and Kashmir. For one, the opening of the world's tallest rail bridge over the Chenab was an affirmation that Kashmir would move forward undeterred. Tourism is again picking up. Yet, irrespective of this, anxieties and emotions triggered by the terror attack will take time to settle—both among the local population and visitors. More than any guarantee from outside, what provides assurance is the newfound belief and determination of the Kashmiri people. Candlelight vigils, shutdowns and community leaders leading the castigation of terrorism were signs of a sure shift from past trends. There were processions of condemnation in every corner of the valley in the aftermath of the attack. The strong, united response against terrorism appeared to be an extension of the spirit of electoral participation seen last year.

The tenacity of this new Kashmir was significantly drawn from the two spotless elections in 2024, first for Lok Sabha and later for the assembly. There were no complaints of fatigue among the people even though the two elections were held in short succession. Campaigning by the parties and candidates was as combative as it could be, with a significantly larger number of candidates, especially women, hitting the ground than in the past. The voter turnouts carried a powerful message. The five Lok Sabha constituencies saw a turnout of 58.58 percent. For the 90-member assembly, it went as high as 63.88 percent. Border constituencies, including the 470 polling stations near the Line of Control returned remarkably high turnouts. Assembly segments of Pulwama,

Zainapora and Eidgah, saddled with a history of militancy and boycotts, registered 10 percent higher polling than in 2014. There was not a single repoll and no violence. Befittingly, the election in the territory was termed "Jashn-e-jamhuriyat", a celebration of democracy. Elections in the erstwhile state of J&K were marked by protests, boycotts, threats and fear, which led to low turnouts. Contrasted with allegations of poll-rigging and a sense that the elections were imposed by the authorities, the two elections last year had the semblance of a choice made by the people, of the people and for the people. After the process, there were no grievances from any candidate, winner or loser, or even the ever-intrusive J&K watchers. There were no complaints about unnecessary detention or high-handedness.

These were no consolation elections either, customised for any constrained zone. The 'gold standard' of election management was equally applied. Ensuring accuracy of the electoral roll, strict enforcement of the model code, capture of money and drugs, facilitation of voters including home voting for the needy, webcasting of polls—each bit meticulously followed. Not taking away from the special sensitivity about the Union Territory, the elections were like anywhere in India. The achievement would look taller if seen against the complex background of bifurcation of the erstwhile state, abrogation of Article 370 and delimitation of constituencies that preceded the polls. However, the electoral process is not the main point of discussion. Both the character and



yearning for peace and progress, that went much beyond voting action—a rejuvenation of the force of the people who themselves led the process, writing a chapter of vindication. The Election Commission described the exercise as 'underscoring a renewed spirit of civic participation and hope for a new era with people deciding their own future".

The assembly election made it clear that the people of the valley have taken responsibility for their own lives, veering away from the gun and choosing peace and progress instead. Citizens were, in a way, giving a reply to the elements of dissonance and sabotage both inside and outside the country. The consensus among political parties for holding the elections suggested a unity of purpose.

outcome of the two elections was a collective While being a battleground of political ideas, polls do create a social cohesion that is valuable. Stability and energy generated by free and fair elections can galvanise a whole community to push forward development and reconstruction. J&K elections have created a resounding trail of community strength that can overcome shocks like the Pahalgam massacre and jumpstart normalcy.

A level of nrmalcy is ordinarily a prerequisite for conducting elections. At the same time, elections augment normalcy and add to its quality and endurance, by endowing it with legitimacy. Jammu and Kashmir has accrued this capital which should help it see through aberrations like Pahalgam in a social and political sense and help buttress security even while the state may have its

arsenal in paused readiness. The terror attack was a manifest attempt to disrupt peace and distract people, especially the youth from the democratic and developmental path they so decisively chose through the two elections. The good thing is that the successful conduct of elections has fortified the polity and the society of Kashmir against these and other challenges, big or small, present or future. Hopes born out of the democratic churning of 2024 are likely to keep growing; not to be doused by odd voices or acts of insinuation and skepticism from outside or within.

Hiding income or making wrong claims Your ITR could attract a 200% penalty

New Delhi. It's that time of the year again when taxpayers across the country start filing their Income Tax Returns (ITR). But hold on. If you're all set to hit submit, take a moment and double-check your return. Under the new ITR rules, even a small mistake or a false claim can lead to big trouble.

If a taxpayer hides actual income, a 200% penalty on the tax evaded is charged for misreporting. For underreporting, the penalty is 50% of the tax owed under Section 270A, as mentioned by ClearTax.Sounds serious? It is. That's why you need to be extra careful while filing your ITR, as even minor errors can result in significant financial consequences. Therefore, taxpayers must be vigilant and ensure all information is accurate to avoid hefty

COMMON MISTAKES IN ITR FILING

One of the primary areas of concern is the tendency of taxpayers to claim deductions under Section 80C without adequate proof or documentation.

Additionally, issues arise when taxpayers declare false House Rent Allowance (HRA) claims or list personal expenses as business expenses. Such practices can lead to severe penalties, regardless of the taxpayer's intentions or errors. Moreover, failing to report earnings from freelancing, crypto, or side jobs in your ITR may attract strict penalties. Make sure nothing is

AVOIDING PENALTIES

To avoid incurring penalties, taxpayers should ensure that all claims are backed by legitimate documentation. Mistakes made by a Chartered Accountant (CA) or consultant do not exempt taxpayers from liability. The law holds the taxpayer accountable, not the person who prepared the return.

Therefore, it is imperative for individuals to review their tax returns meticulously before submission. This proactive approach can safeguard against potential errors and subsequent penalties.

Airtel says new fraud detection system shielded 3.5 million users in Delhi-

NEW DELHI. Telecom operator Airtel on Thursday said its advanced fraud detection system has protected over 3.5 million users in Delhi-NCR within 43 days of launch of the new tool.

The statement assumes significance given the rising instances of digital frauds where unsuspecting users are lured online and deceived by scamsters leveraging advanced techniques, malicious links and fake profiles."As part of the nationwide rollout of its AI-powered fraud detection system, Airtel has successfully safeguarded more than 3.5 million users across the state, within just 43 days of launching its advanced fraud detection system," Airtel said in a release. The system, automatically enabled for all Airtel mobile and broadband customers, scans and filters links across SMS, WhatsApp, Telegram,



Facebook, Instagram, e-mail, and other browsers. 'It leverages real-time threat intelligence to examine over 1 billion URLs daily and blocks access to harmful sites in under 100 milliseconds," the telco

Gold prices keep falling after Israel-Iran ceasefire: Check the latest rates

Kolkata. Gold prices kept declining on Thursday, June 26 as the tension in West Asia seemed to ebb after the ceasefire between Israel and Iran was not violated for another day despite some rumblings to the contrary. According to market information, the price of the yellow metal fell by Rs 1,800 per 10 gms compared to the level at the beginning of the week. According to IBJA (India Bullion and Jewellers Association) data, the spot price of gold of the 999 variety fell below Rs 97,200 per 10 grams on Wednesday. It touched Rs 97,030 today June 26 in morning trade. According to data from the All India Sarafa Association, gold prices slipped Rs 300 to Rs 98,600 per 10 grams in New Delhi on Wednesday. Weak global trends prompted stockists to sell the metal, triggering the decline, said analysts.Gold 999 rates over the past few daysIn



India, gold prices have been falling since June 23 after the uneasy ceasefire agreement between Israel and Iran. According to IBJA (India Bullion and Jewellers Association) data, the price of 10 gms of gold 999 variety is as follows: The price of gold breached Rs 1 lakh per 10 gms for the first time on April 22 following the continuous uncertainty triggered by the retaliatory trade tariffs of US President Donald Trump. Analysts pointed out that though the prices have declined now, the markets will be on the lookout for any uptick in trade-related tensions and rising geopolitical risks in the coming weeks. It needs to be reiterated that Trump's tariffs have merely been suspended and not cancelled. Some analysts pointed out that gold could stay in the band of Rs 96,000 and Rs 98,500.

Indian banks still prefer funding fossil fuels project amid rising risk to investment: Report

An analysis shows that public banks provided roughly 75% of the coal <u>loans while private</u> banks financed roughly 83% of the total underwriting.

NEW DELHI. Even as India aggressively pushes for a clean energy transition, Indian banks have substantially financed fossil fuel and coal-fired power projects—totalling approximately USD 29 billion between 2016 and 2023-which could hinder and complicate the path to achieving net-zero emissions, states a recent report. Prepared

based non-profit organisation that monitors climate-related risks for investors, the report highlights that the State Bank of India (SBI) and private lenders such as Axis Bank and ICICI Bank were among the top financiers of coal. Titled "Stuck in the Past: Coal Ties Hinder Indian Banks' Energy Transition" the report indicates that India's leading banks invested around USD 29 billion in coal during the specified period. Of this amount, approximately USD 15.2 billion was provided as coal loans, while USD 13.5 billion was allocated to coal underwriting servicesFurther segregating the data, the analysis shows that public banks provided roughly 75% of the coal loans while private banks financed roughly 83% of the total underwriting. According to the report, over these eight years, the amount of coal loans fluctuated significantly. Still, coal underwriting by Indian banks remained relatively stable with an average of USD 1.7 billion per year. Underwriting service

transactions by financial institutions by guaranteeing repayment in case of damage or financial loss.Data shows that underwriting has become the dominant



channel for financing coal globally."In India, higher indirect coal financing by private banks indicates a continued desire to profit from the climate-changing fuel, albeit with a lower risk exposure given the coal sector's historical volatility," said Anusha Das, co-author of the report.

The report analysed that over 200 Financial Institutions worldwide—including more than 80 banks-have adopted coal

decarbonisation and Net Zero goals. In India, Federal Bank, RBL Bank, and Suryoday Small Finance Bank have set an

example by adopting coal exclusion policies. However, most banks have 25-35% of their loan books tied to coal, which raises serious concerns about their commitment to transitioning to clean energy and threatens investment. For instance, declining price of renewable energy compare to coal energy and stricter environmental scrutiny further stressed the debt of coal-power sector. According to the report, between 2016 and 2020, major

Indian and foreign investors such as HDFC Mutual Funds and ICICI Prudential lost an estimated USD 3 billion in foregone earnings because of the underperformance of coal sector stocks. The data related to lending to coalrelated projects was collected from open sources and Urgewald, a German non-profit advocating environmental and

Housing sales drop 20% across top 7 cities in Q2 2025 as prices stay high

A sluggish Q2 masked early signs of recovery in India's housing market, with rising prices, cautious buyers, and skewed supply dampening sales—but softening rates and easing tensions may turn the tide.

New Delhi. Housing sales across India's top seven cities declined 20% year-onyear in Q2 2025, with approximately 96,285 units sold compared to over 1.2 lakh units in the same period last year, according to the latest data from ANAROCK Research. On a quarterly basis, however, sales saw a modest 3%

"The second quarter of 2025 was a rollercoaster for the Indian housing market," said Anuj Puri, Chairman, ANAROCK Group. "The war-like climate pushed homebuyers into waitand-watch mode, compounding the impact of soaring property prices over the past two years."Puri attributed the soft Q2 sentiment to geopolitical tensions such as Operation Sindoor and the Iran-Israel conflict, along with continued price escalation across key markets. "Buyers paused, not disappeared," he added. "Now, with domestic tensions easing and the RBI's repo rate cut injecting fresh optimism, sentiment is already beginning to turn." CITY-LEVEL TRENDSAmong the seven major cities, only Chennai

bucked the national trend, recording an 11% annual sales increase to around 5,660 units. The city also saw a sharp 40% rise from the previous quarter. In contrast, sales in MMR and Pune, which together contributed nearly half of all homes sold in Q2, fell by 25% and



27% year-on-year, respectively. Bengaluru saw sales rise slightly (1%) from the previous quarter but was still 8% below last year's numbers. Hyderabad posted a 9% quarterly rise but dropped 27% annually. Kolkata saw

the steepest sequential fall at 10%. LAUNCHES AND PRICE TRENDSDevelopers launched 98,625 new units in Q2 2025, a 16% drop year-

on-year, as they responded to subdued demand. MMR led in fresh supply with over 28,000 units but saw a 36% annual decline. NCR was the only city with a supply uptick—launches rose 69% quarter-on-quarter and 10% year-onyear, driven heavily by high-end projects."New supply continues to skew towards the upper end of the spectrum," Puri said. Luxury and ultra-luxury homes (above Rs 1.5 crore) accounted for 46% of new launches, while the affordable segment (below Rs 40 lakh) made up just 12%. "This clear supply mismatch is pricing out large sections of the middle-income market."Average residential prices in the top cities rose 11% year-on-year, with NCR leading the surge at 27%, followed by Bengaluru (12%) and Hyderabad (11%). However, quarterly price growth has begun to moderate, coming in at just 1%."If prices remain in check and financing costs stay favourable, housing demand should bounce back in the second half of the year," Puri noted.

Nvidia overtakes Microsoft as world's most valuable company after 4% surge

New Delhi. Nvidia has become the most valuable company in the world after a sharp rise in its share price on Wednesday. The chipmaker's stock went up by over 4%, taking its total market value to about \$3.763 trillion. This helped Nvidia move ahead of Microsoft, which is now the second-most valuable firm globally with a market value of \$3.658 trillion. Nvidia's shares touched a new record high of \$154.10, after climbing 4.33% during the trading session. This rally followed a positive report from Loop Capital, which raised its price target for Nvidia from \$175 to \$250. The research firm also kept its "buy" rating on the stock. Ananda Baruah, an analyst at Loop Capital, quoted in Reuters, wrote in a note to clients that Nvidia is "at the front-end of another material leg of stronger than anticipated demand." He referred to the growing use of artificial intelligence (AI) and said the market is entering a "Golden Wave" of generative AI adoption.

Even though Nvidia's share price has gone up, it is still trading at about 30 times its estimated earnings for the next 12 months. That figure is lower than its average of about 40 times over the



last five years, according to data from LSEG. Analysts say this shows that the company's earnings have been rising fast enough to match the jump in share prices.

Nvidia, Microsoft, and Apple have been switching places frequently in the race to become the world's most valuable company. Microsoft recently held the top position after overtaking Nvidia in early June. But now Nvidia is back at the top. Apple remains in third place with a market value of about \$3.010 trillion after a 0.63% rise in its stock price on Wednesday. Here's a look at the top 10 most valuable companies in the world based on market capitalisation:

Markets gain for third straight session as Indian benchmarks rise

CHENNAI. Indian equity benchmarks commodity-linked stocks. rose on Thursday, extending their twoday rally amid hopes of a ceasefire between Israel and Iran, despite weak cues from Asian markets. BSE Sensex, which rose 502 points in the early trade, settled at 83116.14, up 360.63 points or 0.44% at 12.03 noon. NSE Nifty climbed 131.60 points,

reaching 25,376.35, marking a 0.57%?gain for the session.

Both indices have risen nearly 1% over the previous two sessions, approaching nine-month highs.Key drivers behind the rally have been hopes of a ceasefire between Israel and Iran, which has calmed geopolitical risk—and lifted global sentiment. Weakening dollar and bond market softness bolstered metals and

June monthly F&O contracts expire tomorrow, adding volatility especially near 25,400–25,500 levels. Cumulative Metals outperformed (+1%) benefiting



foreign institutional investors (FIIs) selling of over Rs 9,500?crore in the past three sessions remains a headwind.

However, MSCI index was mixed, supping 0.2% before firming modestry

from weak dollar dynamics. Financials & large-caps like HDFC Bank (+0.7%) and Reliance (+1.3%) advanced. Defense stocks also gained 1-2%,

fueled by global defense spending positivity. But, June derivative contract expiry is

tomorrow-expect last-hour swings. Despite rally, foreign capital is still leaving—a drag on near-term momentum. Market experts expect the day to open

positively, backed by the GIFT Nifty's 40-point uptick and supportive global

US Bitcoin Reserve signals a shift: An opening for India

India stands at a pivotal juncture. A measured Bitcoin

strategy—perhaps a reserve pilot—could strengthen economic resilience and project modernity. As the US advances and nations like Bhutan adapt, India has a unique opportunity to lead.

New Delhi. The US Strategic Bitcoin Reserve, launched in January 2025 under President Donald Trump, has elevated digital assets to a global stage. Valued at more than \$20 billion as of June 2025, it underscores Bitcoin's emerging role as a store of value. For India, this shift invites reflection: could Bitcoin, thoughtfully integrated, enhance our eonomic toolkit?

The US initiative currently repurposes 200,000 seized Bitcoins as a buffer against inflation, a strategy cemented by last month's White House Crypto Summit with clearly articulated plans to buy more Bitcoin by exploring budget-neutral manners. Thereby, expanding its Bitcoin reserve holdings in the coming times without hurting the taxpayer.

Three US states have now passed legislation authorising the deployment of public funds to purchase and hold Bitcoin

as a reserve asset, with more expected to follow. These measures reflect a growing recognition of Bitcoin's potential to bolster fiscal resilience and serve as a hedge in uncertain economic conditions. This isn't a reckless pivot, it's a calculated step toward embracing digital assets'

legitimacy. For India, observing this offers a lens to assess whether Bitcoin could diversify our reserves, complementing traditional holdings in an uncertain global economy.

BHUTAN & BITCOIN: A REGIONAL PERSPECTIVE FOR INDIA Bhutan provides a regional perspective.

Since 2021, it has mined Bitcoin with hydropower, amassing a \$1 billionplus reserve by May 2025. Born from tourism's decline, this approach now supports public services and sustainability goals.India, with its renewable energy capacity, has the full scale of capability to adapt this model, though scale and regulation pose distinct challenges. Bhutan's success suggests digital assets can stabilise economies, a point worth considering.

WHAT MAKES BITCOIN STAND OUT? Bitcoin stands apart as an asset without an issuer—a commodity, not a security, as the US SEC now recognises. Like gold, it has no central authority; no government, bank, or company controls it. This

decentralisation is its bedrock, setting the stage for three defining traits: scarcity, liquidity, and transparency.

Only 21 million Bitcoins will eer exist, which, unlike traditional currencies or even assets like stocks, bonds, or commodities that face oversupply and hence inflation, has a fixed supply.



This mirrors gold's finite nature but operates at digital speed. Bitcoin trades globally 24/7, offering liquidity unmatched by most decentralised assets; gold, by contrast, sits static in vaults or jewellery, less fluid in daily exchange.

And its blockchain—a public, tamper-proof ledger—makes every single transaction verifiable to anyone, reducing the opacity that often clouds traditional markets.

These qualities echo gold's appeal: a trusted store of value beyond any single entity's grasp. Yet Bitcoin transcends it, digital and dynamic where gold is physical and inert. At \$100,000+ today, it's this blend-gold's scarcity with digital fluidity—that earns it the "digital gold" label by many including the White House.It's an intuitive shorthand: finite and reliable like metal, but built for a borderless, tech-driven world.Bitcoin

also stands out because of its programmability and portability. It can move at the speed of the internet, settle transactions with verification but, without intermediaries, and be stored securely with modern cryptographybased security.

In an increasingly digital and decentralised world, it aligns with how the next generations are thinking about money and value.THE ROLE OF REGULATION

Regulation remains pivotal. India's crypto policy—taxed but unregulated-needs clarity to unlock potential. During its G20 presidency in 2023, India chaired the formation of a crypto working group with the IMF, tasked with shaping global standards. While its recommendations will take their due course, we are seeing other jurisdictions including Russia, China, and Brazil from the BRICS, and other G20 nations led by the US, race ahead-not pausing for consensus.

Mission Mathematics expanded to classes 6 to 10 in Delhi Government schools

The Directorate of Education (DoE) has directed Delhi Government schools to analyse Class 10 mid-term performance and identify learning gaps accordingl

Four charred to death as Rohini

Agency New Delhi.

At least four persons died and three others sustained

injuries after a building housing three plastic item

manufacturing units caught fire at Rithala in Delhi's

Rohini on Tuesday evening. The blaze was doused after

a 15-hour operation on Wednesday. As per preliminary

reports, the cause of the fire is suspected to be a short

circuit. In a statement, the police said the owner of the

building, Suresh Bansal, and his son Nitin Bansal, ran a

factory on the ground and first floors. Nitin (31) is

Delhi Fire Service (DFS) officials, meanwhile, are also

The deceased, all suspected to be migrant workers, are yet

to be identified, police said. An officer attached to DFS

said they received a call regarding the fire at 7.30 pm on

Tuesday. "A blaze had started at a four-storey building

near Rithala Metro Station in Rohini Sector 5. At least

16 fire tenders were pressed into service," the officer

said. Around 1.30 am on Wednesday, three charred

bodies were recovered from inside the premises, the

police said. Later, one more charred body was retrieved.

'We will be conducting DNA tests if required. We are

waiting for the family members of the victims to

approach," a police officer said, adding that a case is

An official in the mortuary of Dr Baba Saheb Ambedkar

Hospital said, "No family members of the deceased

have approached us so far." Besides Nitin, the other two

injured have been identified as Virender (25) and

Ghitorni in Delhi Monday night, robbed the premises, and took him in his car to his office in Gurgaon to take

According to the Delhi Police, Karan Chopra, who has multiple CNG filling stations across Delhi and the National Capital Region (NCR), was at his farmhouse in

Ghitorni with some of his family members when the

'A person came to the door, claiming to be a delivery boy. As soon as the complainant (Chopra) opened the door, three more men barged inside and took him hostage.

They told him that they have guns. They told him to stay

calm, and let them leave with the cash," a police officer

said. The police officer said they then took Chopra to his

office at M G Road in Gurgaon, and asked him to

arrange for more cash. Chopra then directed his

accountant at the office to comply with their demand.

The robbers allegedly robbed him of Rs. 30 lakh in cash

After being released, Chopra called the police, and a case

Amit Goel, Deputy Commissioner of Police (South West),

said they received information about the robbery at the

was filed. The suspects are yet to be traced.

incident happened.

and some jewellery.

being registered to probe the incident.

Rakesh (30), who has sustained 80% burns.

'Told him to stay calm': robbers

during a self-immolation bid by a factory worker.

investigating the possibility of the fire being set off

building housing 3 plastic

factories catches fire

among the injured.

Agency New Delhi.

The Delhi Government's "Mission Mathematics and Special Enrichment Classes" initiative has now been extended to students of classes 6 to 10 for the 2025-26 academic session to strengthen maths learning and address learning gaps.

The Directorate of Education (DoE) made the announcement in a departmental circular issued on Monday, citing improved performance in annual assessments and the Central Board of Secondary Education (CBSE) board examination results since the initiative began in 2022.

Launched in response to poor mathematics performance in board exams, the programme initially focused on classes 8 to 10. It introduced activity-based worksheets, "Question of the Day" exercises, and assessment



tools to foster "joyful and conceptdriven learning". These resources were expanded to Classes 6 to 10 in June 2024 and will now be shared digitally with schools for all targeted classes —three times a week—starting July 7.

To further personalise support, DoE has directed schools to analyse Class 10 mid-term performance and identify learning gaps

accordingly. A centralised tracking module is also being developed to monitor attendance and academic progress in Teachers will have to maintain Mathematics.

Eligibility and implementation

Students for the Special Mathematics Enrichment (SME) classes are selected based on their prior academic performance. For Classes 6, 9, and 10, students must

have scored at least 50 per cent with grace marks in Mathematics or passed via compartment exams. For Classes 7 and 8, students scoring 40 per cent or below in the previous year are eligible.

In both cases, subject teachers may recommend additional students based on classroom performance.

SME classes will be conducted in small groups of 20-25 students, before or after school hours. Schools have been allowed to appoint resource persons for these sessions, with dedicated funds already allocated, as per the circular.

detailed records, including a separate notebook for each student. They have also been advised to use curriculum mapping to align Class 10 content with foundational gaps from previous years.

Accused should be given strictest punishment, says famlly of Delhi girl pushed off terrace

Agency New Delhi.
"She was just a child... Her whole life was ahead of her," a teary-eyed Sonia said, as family members, neighbours and friends gathered around her. On Monday, Sonia's 19-year-old sister, Neha, was pushed off the terrace of the building she lived in with her family, allegedly by a 26-year-old man she knew.

On Tuesday morning, the injured Neha succumbed to her injuries in Guru Teg Bahadur Hospital.

'Multiple teams from Jyoti Nagar police station, Gokulpuri subdivision and Operations unit of North East were deployed to trace the accused, Taufeeq. He was arrested on Tuesday night from Rampur in Uttar Pradesh," DCP (North East) Ashish Mishra said.

Neha's father Surendra works as a security guard, and she recently took up a job in a private firm. She studied till Class 12 and could not go to college because of the family's poor financial condition, police sources said. Anticipating communal tension, the police, meanwhile, have stepped up security in the area. Gaurav Gupta, Additional DCP (North East) said that Neha's family was contemplating getting her married soon. "Neha and the accused knew each other but

been speaking to him for

some time. The accused found out that her family was planning to get her married. He was enraged," he said. A police officer said that he wore a burqa and called her to the terrace of the five-storey building. "They likely had an argument there after which he pushed her," said the officer. Taufeeq was no stranger to the family. "We have known him for three years... We considered him our brother. I don't know what happened in the last few months.

'A double blow': Imports of dry fruits hit, traders in Khari Baoli tackle challenges

New Delhi. The traders in Khari Baoli in Old Delhi, one of India's oldest markets, stare at uncertain times. The imports of dry fruits from Iran have been hit amid escalating geopolitical conflict in West Asia. This latest blow comes at a time merchants are navigating a setback triggered by the closure of the Attari-Wagah border following tensions between India and Pakistan after the April 22 Pahalgam terror attack.

Sharing his plight, Sudhir Jaggi, President of the Sarve Vyapar Mandal of the Khari Baoli market, said, "First, the Attari-Wagah border was shut down... so goods from Afghanistan completely stopped coming in. And on top of that, this issue with Iran has happened — it's like a double blow. We have no idea what's going to happen next. The Afghanistan route has been shut for a while, and there's still no clarity.

He added that the market is deprived of new foreign stock of dry fruits. "Abhi to maal nahi aa raha, jo maal India mein tha wahi bik raha hai. Iran se dry fruits container se maal aata hai sea se, seedhe ports aur phir humare godowns mein utaarte hai, uske baad hum apni requirements ke hisaab se uska distribution karte hai. Abhi maal to kahi se bhi nahi aa raha (Right now, no new stock is coming in - only what's already in India is being sold. Dry fruits from Iran come by sea, directly to the ports, and then to our godowns. From there, we distribute it as per our requirements. At the moment, nothing is coming in from anywhere),' he said. The heightened tensions in West Asia have contributed to a surge in the prices of dry fruit imported from Iran.

Jaggi highlighted that almond prices have increased by Rs 400-450 per kilo, whereas pistachio prices have increased by Rs 300 per kilo and now stand at over Rs 1,000 per kilo. Hari Om, a trader, said, "Varieties of dates like Kimia, Mariam, Zahedi, Rabbi, and Irani, which are imported from Iran, are witnessing a surge in prices in the market." Kimia Date boxes, which were earlier priced at Rs. 250 per kilo, are now being sold at Rs 400 per kilo, in the market. "Even some medicinal herbs like Salam Mishri used in Ayurveda medicines are imported from Iran, and their price has also significantly increased," said Sunny Kashyap, a trader selling dry fruits and

Delhi man dupes travellers, airlines using forged death certificates; arrested

Akshay Sharma targeted international travellers, and his scam involved booking tickets, cancelling them, and then claiming refunds, the police said.

Agency New Delhi.

A travel agency, a fake call centre, and forged death certificates: This is how a Delhi man allegedly duped hundreds of international travellers and airline companies by booking tickets, cancelling them, and pocketing the refunds, the Delhi Police said

on Wednesday. akshay Sharma, 40, a resident of Kirti Nagar and the director of AVS Holidays, was arrested on Tuesday by the Delhi Police Special Cell for allegedly

legitimate travel agency. According to the police, Sharma's alleged modus operandi involved

orchestrating a sophisticated

scam under the cover of a

getting crucial documentation from his customers, along with their financial details like credit card CVVs, on the pretext of booking their flight tickets. Once the tickets were booked, Sharma would use the documents to forge the death certificates of the

travellers and obtain a full refund from the airlines, the police said. His 'call "During sustained custodial centre employees' would then call the customers and tell them that their flights had been cancelled and give

them a small fraction of the refunded

amount, the police added.

Sharma was arrested on charges of cheating and forgery under sections 318(4), 319(2), 339/61(2) and 3(5) of the Bharatiya Nyaya Sanhita and Section 66C of the Information interrogation, the accused confessed to establishing and operating fraudulent call centres over several years, under the facade of a legitimate travel service provider. He admitted to

Technology Act.

orchestrating a scheme that primarily targeted US and other foreign nationals by posing as an authorised flight booking agency," Amit Kaushik, Deputy Commissioner of Police, Special Cell, said. "The illicit proceeds were partially returned to the victims-after deducting fictitious cancellation fees-or withheld entirely. Preliminary forensic analysis of seized electronic devices has revealed

hundreds of forged documents used to facilitate these fraudulent claims," he added. The company has more than 500 employees, and multiple arrests will follow, a senior police official

Mother-in-law of Faridabad woman buried in pit arrested; police say victim was given juice laced with sleeping pills

Tannu Rajput's father-in-law, Bhoop Singh, has allegedly revealed that his family had conspired to murder her and reported her missing to mislead people.

Agency Faridabad.

Five days after Tannu Rajput's decomposed body was found buried inside a pit outside her in-laws' house in Haryana's Faridabad, the police on Wednesday arrested her mother-in-law in the case.

The Crime Branch (DLF) arrested Sonia, 45, after her husband, Bhoop Singh, who was arrested in the case earlier, allegedly confessed that the family had conspired



alibi. The same day, a pit was dug outside their house, the police said.

Rajput was allegedly given sugarcane juice laced with sleeping pills, and later that night, while she was unconscious, Singh strangled her with a dupatta, the police said. Her body was then buried in the pit with her husband Arun's assistance, the police said, adding that the family

missing to mislead people.

Singh's daughter, Kajal, is under

barge into businessman's According to the police, Singh allegedly subsequently reported her to murder Rajput due to farmhouse in Delhi's Ghitorni, take ongoing domestic disputes, including revealed that he and his family had planned Rajput's murder. On April 21, While Arun is absconding, the role of talks of divorce. him to Gurgaon, loot Rs 30 lakh Singh allegedly sent Sonia to her The case was initially being probed as a relatives in Uttar Pradesh to create an dowry dispute. investigation. Agency New Delhi. Four men, one of them claiming to be a delivery agent, allegedly barged into a businessman's farmhouse in

'Nobody listens to us': Street vendors, rickshaw pullers protest at Delhi's Jantar Mantar against evictions

Street vendors in Delhi have alleged that they often face difficulties in retrieving their confiscated items from the authorities.

Agency New Delhi.

Street vendors, rickshaw pullers and slum dwellers from across Delhi protested at Jantar Mantar Wednesday against evictions and demanded recognition and rehabilitation for urban workers. The protest was led by the Indian Hawkers

Alliance, Mazdoor Awas Sangharsh Samiti and Delhi Rickshaw Chalak-Malik Sangharsh Association. Workers from various markets, such as Chandni Chowk, Sarojini Nagar, Meena Bazaar, GTB Nagar, India Gate, Kamla Nagar, Sangam Vihar, and Ratiya Marg, were present. Vomen dry fruit sellers from Jahangirpuri

complained of theft when the authorities came to evict them. Rajini, a vendor who has sold dry fruits for the past eight years at Chandni Chowk, said, "We face loss of goods; sometimes we don't even get it back. They just make us run from one office to another saying that you don't

have the required documents. I sell perishable goods; they get spoiled if kept for long."

A group of women street vendors from India Gate sat holding placards in the last row. "I have been doing this for the last ten years at the same location. Earlier, we never used to face any problems, but now officials and the police come and kick our goods. confiscate them and seek money. When we ask for our goods back, nobody listens to us," said Gulesha Khatoon.

A few rows ahead sat Ritu Joshi, 40, a resident of Nehru Colony, Govindpuri, who feared whether her family would get accommodation if their camp is demolished. "Our camp is also about to get demolished, they promised us to give flats, but I fear if they will, what if we are stuck



like some families of the Bhomiheen camp who still don't have places to live," she

Sanjeev Kumar, 34, a rickshaw puller from Karampura, said that for the last two or three years, the traffic police have been confiscating his rickshaws. "I have lost two rickshaws in the last few years. They

said that we have sent it to Hapur, go get it from there. How will I be able to go?" he asked.

Sandeep Verma, the convener of the Indian Hawkers Alliance and a member of the town vending committee (TVC) for the Sadar Paharganj Zone within the Municipal Corporation of Delhi (MCD), expressed his dissatisfaction with the way the authorities treat street vendors in the area.

"There are many flaws in the previous survey conducted; officials don't even consult the elected TVC for any actions or decisions. The vendors are ready to pay fees for the space, but first, the authorities need to recognise us as we have been historically living and selling things over here," Verma said.

Vasant Kunj South Police Station. "On receipt of the information, SHO, along with staff, reached the spot, where they met complainant Karan Chopra. He alleged that three to four persons forcefully entered his house and office and looted around Rs 30 lakh. He told the police that he is engaged in the business of CNG gas distribution," he said. The police said crime and forensics teams were called to the spot immediately, and an investigation was launched.

12 killed in attack on celebration in Mexico's Guanajuato state city

MEXICO CITY. Twelve people were killed overnight in the Mexican state of Guanajuato when gunmen opened fire on a celebration in the city of Irapuato, authorities said Wednesday. People were dancing and drinking in the street in celebration of St. John the Baptist when the shooting began. Revelers screamed and ran to escape the gunfire, according to videos circulated online.Irapuato official Rodolfo Gómez Cervantes, said in a news conference Wednesday that the number of victims had risen to 12. Some 20 others were wounded. President Claudia Sheinbaum lamented the attack, saying that it was under

Last month, seven people were killed in a shooting that targeted a party organized by the Catholic Church in San Bartolo de Berrios, Guanajuato.Guanjuato, which is northwest of Mexico City, has been one of the country's most violent states, as various organized crime groups battle for control. There have been 1,435 homicides in the state through the first five months of the year, more than double any other

Israel kills at least 60 Palestinians waiting for aid at distribution sites of USbacked GHF, in last 24 hrs

world. Israel has killed at least 60 starving Palestinians who were waiting for the much-needed humanitarian aid at the distribution sites of the US-backed and Israeli military-established Gaza Humanitarian Foundation (GHF) in the last 24 hours, reported Al Jazeera

The latest in a string of deadly attacks on desperate aid seekers came after the United Nations had condemned Israel's "weaponisation of food" against the Palestinians after a three-month-long blockade of humanitarian assistance, which was partially lifted only to replace the established aid distribution systems with the GHF. Rights groups and the UN had refused to cooperate with the GHF, slamming it as a "death trap" for Palestinians and accusing it of aiding Israel in its genocidal war in Gaza.

The UN agency for Palestinian refugees, UNRWA, called the GHF an "abomination" that has put Palestinians' lives at risk, while a spokesman for the UN human rights office, Thameen Al-Kheetan, condemned the "weaponisation of food" in the territory. According to Gaza's health ministry, Israel has killed more than 500 Palestinians at aid distribution sites since the GHF began operations last month. Meanwhile, Israeli forces also shot dead a 13-



year-old Palestinian boy during a raid on al-Yamoun, west of Jenin in the occupied West Bank on Wednesday. The boy, Rayan Tamer Housheh, was shot in the neck. Israel's genocidal war on Gaza has so far killed at least 56.077 Palestinians, mostly women and children. Israel has also targeted and killed hundreds of journalists, health care workers and aid

Haka and flag-burning: Why New Zealand is seeing antiimmigration protests

world."Faith, flag, family," chanted the crowd in Central Auckland as anti-immigration protestors gathered under the leadership of Destiny Church's Brian Tamaki. The demonstrators, many of whom performed the haka, tore, stomped on, and burned flags representing Hinduism, Islam, Buddhism, and Palestine, each act of destruction followed by traditional war dances. The protest reflected a growing unease among some segments of New Zealand's population regarding the country's changing immigration landscape.

Tamaki, a radical religious leader known for courting controversy, made his intent clear. "The spread of non-Christian religions is now out of control," he said, adding that "Any type of immigration without assimilation is invasion."The response from the country's leaders was swift and firm. Acting Prime Minister David Seymour called Tamaki's views "un-Kiwi".He also asserted that "New Zealand's great strength is that we are a nation of pioneers who moved here to give their children a better tomorrow."

New Zealand's Police Minister Mark Mitchell also condemned the protest, describing the event and its use of sacred cultural practices as "vile rhetoric and behaviour," which, he said, had no place in the country.But New Zealand has seen a larger anti-

immigration sentiment. Here's why. WHY AN IMMIGRATION PROBLEM IN NEW ZEALAND?

The outburst in Auckland did not emerge in a vacuum.New Zealand, a country of just over 5.3 million people, has seen a dramatic surge in migration since late 2022. While the government has emphasised the need for skilled immigrants, particularly in areas like education, it has also sought to prioritise native citizens for jobs where there are no shortages. The government is focused on attracting and retaining highly skilled migrants such as secondary teachers, where there is a skill shortage," said Immigration Minister Erica Stanford.

Bezos and Sanchez arrive in Venice as protesters say their wedding highlights wealth inequality

Their wedding has drawn protests by groups who view it as a sign of the growing disparity, with locals saying it highlights how their needs are ignored amid mass tourism.

VENICE. Amazon founder Jeff Bezos and Lauren Sanchez arrived in Venice, Italy, on Wednesday ahead of their star-studded weekend wedding, which has galvanized an assortment of protesters.Bezos waved from a water taxi as he and Sanchez arrived at the dock of the Aman Hotel on the Grand Canal with two security boats in tow. Their wedding has drawn protests by groups who view it as a sign of the growing disparity between the haves and have-nots, while residents complain it exemplifies the way their needs are disregarded in the era of mass tourism to the historic lagoon city.

including housing advocates, anti-cruise ship campaigners and university groups have united to protest the multi-day event under the banner "No Space for Bezos," a play on words also referring to the bride's recent space flight. They have staged smallscale protests, unfurling anti-Bezos banners on iconic Venetian sites. They were joined Monday by Greenpeace and the British group "Everyone Hates Elon," which has smashed Teslas to protest Elon Musk, to unfurl a giant banner in St. Mark's Square protesting purported tax breaks for billionaires.On Wednesday, other activists launched a float down the Grand Canal featuring a mannequin of Bezos clinging onto an Amazon box, his fists full of fake dollars. The British publicity firm that announced the stunt said it wasn't a protest of the wedding "but against unchecked wealth, media control, and the growing privatisation of public spaces."The local activists had planned a more organized protest for Saturday, aiming to obstruct access to canals with boats to prevent guests from reaching a wedding venue.

About a dozen Venetian organizations —

the train station after claiming a victory,



asserting that their pressure forced organizers to change the venue to the Arsenale, a more easily secured site beyond Venice's congested center. It will be a strong, decisive protest, but peaceful," said Federica Toninello, an activist with the Social Housing Assembly network. "We want it to be like a party, with music, to make clear what we want our Venice to look like."Among the 200 guests confirmed to

They modified the protest to a march from be attending the wedding are Mick Jagger, Ivanka Trump, Oprah Winfrey, Katy Perry

and Leonardo DiCaprio.

Venice, renowned for its romantic canal vistas, hosts hundreds of weddings each year, not infrequently those of the rich and famous. Previous celebrity weddings, like that of George Clooney to human rights lawyer Amal Alamuddin in 2014, were embraced by the public. Hundreds turned out to wish the couple well at City Hall.

Bezos has a different political and business profile, said Tommaso Cacciari, a prominent figure in the

movement that successfully pushed for a ban on cruise ships over 25,000 tons traveling through the Giudecca Canal in central Venice."Bezos is not a Hollywood actor," Cacciari said. "He is an ultrabillionaire who sat next to Donald Trump during the inauguration, who contributed to his reelection and is contributing in a direct and heavy way to this new global

Analysis: A battered Iran faces an uncertain future after its grinding war with Israel

DUBAI. The bombing has quieted in Iran's 12-day conflict with Israel. Now its battered theocracy and 86-yearold Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei must regroup and rebuild in a changed landscape. Israeli airstrikes decimated the upper ranks of Iran's powerful Revolutionary Guard and depleted its arsenal of ballistic missiles. Israeli missiles and American bunker buster bombs damaged the nuclear program though how much remains disputed. Khamenei went into deep isolation in an undisclosed location, appearing only twice in videos as the Israelis had free rein over the country's skies.Iran's self-described "Axis of Resistance," a group of allied

countries and militias in the Mideast,

has been mauled by the Israelis since

Hamas' Oct. 7, 2023, attack. Foreign

support Tehran may have expected from China and Russia never



materialized. At home, old problems remain, particularly an economy wrecked by international sanctions, corruption and mismanagement.

Tran's leadership has been dealt a heavy blow and will be conscious of preserving the ceasefire, which gives the regime breathing room and allows space to focus on internal security and reconstruction," the Eurasia Group

said in an analysis Wednesday. Shoring up loyaltyOne thing Israel's campaign showed was how much its intelligence agencies have infiltrated Iran, particularly its swift pinpointing of military and Guard commanders and top nuclear scientists for strikes.

The No. 1 task for Khamenei may be to root out any suspected disloyalty in the ranks. There must be some sort of purge. But who will implement it? That is the question," said Hamidreza Azizi, a visiting fellow at the German Institute

for International and Security Affairs. 'This level of distrust that apparently exists now is going to paralyze any effective planning or security overhaul," he said.

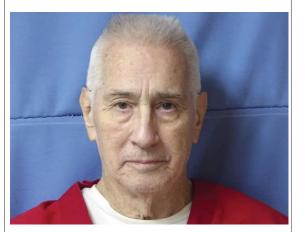
Mississippi executes the longestserving man on the state's death row for 1976 killing

PARCHMAN. The longest-serving man on Mississippi's death row was executed Wednesday, nearly five decades after he kidnapped and killed a bank loan officer's wife in a violent ransom scheme.

Richard Gerald Jordan, a 79-year-old Vietnam veteran with post-traumatic stress disorder whose final appeals were denied without comment by the U.S. Supreme Court, was sentenced to death in 1976 for killing and kidnapping Edwina Marter. He died by lethal injection at the Mississippi State Penitentiary in Parchman.

The execution began at 6 p.m., according to prison officials. Jordan lay on the gurney with his mouth slightly ajar and took several deep breaths before becoming still. The time of death was given as 6:16 p.m.Jordan was one of several on the state's death row who sued the state over its three-drug execution protocol, claiming it is inhumane.

When given an opportunity to make a final statement Wednesday, he said, "First I would like to thank everyone for a humane way of doing this. I want to



apologize to the victim's family."

He also thanked his lawyers and his wife and asked for forgiveness. His last words were: "I will see you on the other side, all of you."Jordan's wife, Marsha Jordan, witnessed the execution, along with his lawyer Krissy Nobile and a spiritual adviser, the Rev. Tim Murphy. His wife and lawyer dabbed their eyes several times. During a news conference after the execution, Keith Degruy, a spokesperson for Marter's family, read a statement on behalf of her two sons and husband, who were not present at the execution.

Nothing will bring back our mom, sister and our friend. Nothing can ever change what Jordan took from us 49 years ago. Jordan tried desperately to change his ruling so he can simply die in prison. We never had an option," he said. Jordan's execution was the third in the state in the last 10 years; previously the most recent one was carried out in December 2022. It came a day after a man was put to death in Florida, in what is shaping up to be a year with the most executions since 2015.

Trump grapples for upper hand in debate over damage caused by US strikes on Iran

THE HAGUE. President Donald Trump on Wednesday rejected an early intelligence assessment that U.S. strikes inflicted only a marginal setback on Iran's nuclear program, insisting that his country's spies did not have the full picture and defending his own swift conclusion that American bombs and missiles delivered a crushing blow."This was a devastating attack, and it knocked them for a loop,' Trump said as his administration scrambled to support his claims, made only hours after the attack, that Iranian nuclear facilities were "completely and fully obliterated."Trump said Defense Secretary Pete Hegseth and other military officials would hold an "interesting and irrefutable" news conference Thursday morning to "fight for the Dignity of our Great American Pilots" who carried out the mission. He wrote on social media that "these Patriots were very upset" by "Fake News" reports about the limited impact of the strikes. The issue dominated Trump's attendance at NATO's annual summit in the

focused on European security. The White House highlighted an Israeli statement that Iran's nuclear efforts were delayed by years, much longer than the few months determined by American intelligence. A spokesperson for the Iranian foreign ministry also said the facilities have suffered significant damage.But those comments fell short of Trump's hyperbole and did little to suggest that U.S. strikes had eliminated the threat of Iran developing a nuclear weapon.Secretary of State Marco Rubio, speaking in an interview with Politico, limited his own assessment to saying Iran was "much further away from a nuclear weapon today than they were before the president took this bold action."Drawing reliable conclusions about the impact of the U.S. strikes remains difficult, especially only days after they took place. That makes the issue a breeding ground for competing claims that could determine how American voters view Trump's risky decision to join Israel's attacks on Iran.

Netherlands, which was otherwise Jeffrey Lewis, a professor of nonproliferation at the Middlebury Institute, said Trump was trying to have it both ways."If it's too early to know, why is Trump saying it's obliterated?" he said. "Either it's too early to know, or you know."What's next? Also at stake are Trump's next steps in the Middle East, where diplomatic efforts could be required to prevent Iran from rebuilding its nuclear program. Trump said U.S. and Iranian officials would meet soon, resuming a dialogue that was interrupted by nearly two weeks of war, even as he suggested that negotiations were no longer necessary."I don't care if I have an agreement or not," Trump said, because Iran was too badly damaged to even consider rebuilding its program. "They're not going to be doing it anyway. They've had it."Iran maintains that its atomic ambitions are for peaceful purposes, while U.S. and Israeli leaders have described the country's nuclear program as the precursor to obtaining a nuclear

Youth-led protests erupt again in Kenya over police brutality and poor governance

NAIROBI. Youth-led protests against police brutality and poor governance have erupted across Kenya again on Wednesday, with thousands making their way to the central business district in the capital, Nairobi. The protests, which coincided with the first anniversary of demonstrations opposing tax hikes that left 60 people dead and 20 others missing, followed last week's rallies that demanded answers for the unexplained death of a Kenyan blogger while in police custody.Frustration is growing, especially among Generation Z, over police violence, economic struggles, and government mismanagement. The Communications Authority of Kenya has directed local media to stop all live broadcasts of the protests halfway through the day as President William Ruto warned that violence wouldn't be tolerated.

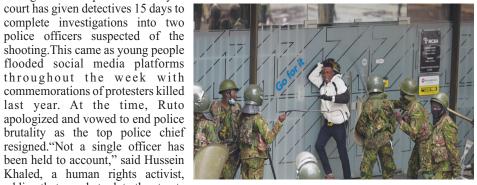
Many turned to social media to share updates and remember slain protesters. Others posted anti-government messages and memes. On the streets, some could be seen

offering protesters water. Here's why unrest is gripping Kenya: Police brutality Calls for accountability have grown louder in

Kenya after a street hawker was killed during last week's protests. A Kenyan court has given detectives 15 days to complete investigations into two police officers suspected of the shooting. This came as young people flooded social media platforms throughout the week with commemorations of protesters killed last year. At the time, Ruto apologized and vowed to end police brutality as the top police chief resigned."Not a single officer has

adding that people took to the streets "to demand justice in terms of compensation ... arrest of those officers who were involved ... police reforms because too many Kenyans are losing their lives" to police brutality. Economic

Last year's deadly protests strongly opposed a finance bill that raised taxes significantly to address debt, putting an undue burden on



young, educated people struggling with unemployment and a rising cost of living. Ruto later scrapped the bill.Some tax widespread criticism and calls for Ruto's resignation, following the appointment of a new but widely criticized cabinet. A revamped healthcare levy also changed standard premiums to a progressive tax,

based on income. United Nations' data shows that 70% of sub-Saharan Africa is under the age of 30, with 67% of Kenya's young people unemployed.

Both the health and the education sectors, which greatly affect the youth, are seemingly sinking due to misguided policies and failure to provide needed resources. At the same time, there appears to be unlimited funds for 'aristocratic' luxuries," said Macharia Munene, professor of History and

International Relations at United States International University Africa in Nairobi, referring to some state people's spending that has been strongly

proposals were reintroduced later, drawing condemned.

After Shamar Joseph runs through Australia, Ian Healy responds to sledge at pacer

NEW DELHI. Former Australia wicketkeeper Ian Healy has responded to his sledge against Shamar Joseph after it went wrong on Day 1 of the first Test. Healy had taken offense to the comments made by Shamar to recalled Aussie opener Sam Konstas and felt that the West Indies pacer was picking on the 19-year-old. The former wicketkeeper said that Shamar had been sub-par after his Gabba performance, where he rocked the Aussies with a seven-wicket haul and guided West Indies to a famous win. Healy ended his comment by saying that Shamar was no Curtly Ambrose.He's had a terrible year since he went through us at the Gabba," Healy said on SENQ Breakfast."Shamar has come out today and



'just look out and watch what is coming'. OK Shamar, well, you've delivered crap all year.""He'd better improve, that's what I'm saying in the dressing room. He's got real trouble. You're not Curtly Ambrose champ."However, Healy was left with egg on his face as Shamar picked up four wickets, including Konstas to bundle Australia out for 180.'Sort of talked about what the dressing room might say'Healy commented on his comments on Shamar and said they were taken out of context and labelled as sledging. The former wicketkeeper said that he was saying what the Australian dressing room might say about Shamar. Healy did end his response with a cheeky dig on Shamar and the jewellery he was wearing."Yesterday, when I talked about backing up Sam Konstas when an opponent sledges him I sort of talked about what the dressing room might say – is that the context, do you reckon, that I was talking about?" Healy asked co-host, NRL great Corey Parker.

'Do you believe I was talking about what the dressing room might say to Konstas, or was it me saying something against Shamar Joseph?""Geez, they've come out at me, haven't they! They've said 'oh no, I've sledged Shamar!' Apparently, it's saying I've had a personal dig at Shamar."

ENG vs IND: How Ben Duckett and Ollie Pope neutralised Jasprit Bumrah in 1st Test

New Delhi. I've faced him in a five-Test series before. I know what he's going to do to me, and the good thing about that is I know what skills he has," Ben Duckett said before the start of the 5-match Test series against India.

For someone with Ben Duckett's history of interviews, it was a brave statement to make, given a backlash was expected if he were to fail against the best bowler in the world. But here we are, a full five days of Test cricket later, with Ben Duckett smiling ear to ear after he helped England gun down a 371-run total in Leeds.Ben Duckett's breakdown of Bumrah was methodical, something that we have rarely seen by an opening batter in a Test match. It was very Travis Head-esque in many ways. He knew that if he was able to survive the first spell, runs would be there for the taking. While we harp on Duckett, who is



slowly getting into the conversation of one of the best all-format batters going around, one more name needs to be mentioned. Ollie Pope, the England vice-captain, came into the Test series with his spot in question. At the pre-match press conference, Ben Stokes had to explicitly mention that Pope would be playing ahead of Jacob Bethell in the first game of the series.

And that trust was paid in full. Like he does in most series, Pope started exceptionally well. His century in the first innings, where he batted from the second over itself, was instrumental in England nullifying India's massive first innings total of 471 runs. Pope, who has been dismissed by Bumrah five times in the nine Test matches, put up a brave face and executed a plan that might get replicated in the near future against the star India fast bowler.Pope rotated strike often against Bumrah, handling the bowler with Ben Duckett. The constant changes of strike did not let Bumrah settle. He had to keep switching his plans between Duckett and Pope, which did not allow him to settle into a rhythm. This came in sharp contrast to Bumrah's bowling against Zak Crawley, whom Bumrah was able to overhaul by bowling six straight balls in the first over of the England innings.

AUS vs IND: Tickets for Sydney ODI and Canberra T201 sold out in just two weeks

Cricket Australia has announced that tickets for two matches in India's white-ball tour this November were snapped up within just two weeks of going on sale.

NEW DELHI. Tickets for two matches in the upcoming white-ball series between Australia and India, scheduled for November this year, have sold out within two weeks of going on sale. According to Cricket Australia, over 16 percent of the tickets sold were purchased by Indian fan clubs, with some setting records for the most tickets bought by a single buyer for a single match."Exhausting our public ticket allocation for the SCG ODI and Manuka Oval T20I four months before the series is a upcoming season amongst cricket fans," Koel Morrison, Executive General Manager Events & Operations, Cricket Australia,

The last time the two sides met in Australia, the hosts ended up winning the ODI series 2-1 while India took the T20I series 2-1 as well.



testament to the tremendous interest in the INDIAN CRICKET AUSTRALIA 'S GOLDEN GOOSECricket Australia's CEO, Todd Greenberg, has highlighted how Indian cricket's involvement has played a major role in overturning their debt owed to the Commonwealth Bank. The association had taken a loan of 300 million Australian dollars during the COVID-19 pandemic period.

When India toured in 2021, the series reduced their deficit by generating a revenue of 31.9 million Australian dollars. In addition, the series in 2024-25 also helped Australia reduce their deficits. Earlier this month, CA's new CEO, Todd Greenberg, had talked about the importance of Indian games for the cricket board. During the Covid pandemic in

2020, it was reported that Cricket Australia had to take a loan of A\$300 million from the Commonwealth Bank. "The Indian series in 2021 helped the Australian board. And in October last year, they announced a deficit of A\$31.9 million (\$21.34m). The last 2024-25 series against India in Australia further boosted the finances of the CA," Greenberg said."I agree we've still got a lot of work to do, and we would like to be attracting more of those communities to be playing cricket, but part of that challenge is on us in how we offer participation. I think our participation offerings in this country are very traditional, and they have historically been offered in the same way to the same types of people over generations. And if we're going to attract a new generation of participants, then we need to do things differently. We need to think differently. We need to communicate differently, and

we need to make sure that the clubs and our environments are both safe and welcoming and inclusive," Greenberg mentioned.

The CEO reiterated that they have a long way to go, and one of his biggest goals is to fully integrate the sport within the diverse communities within the country.

England Cricket Board and BCCI join hands to scuttle ambitious Saudi T20: Report

- **∠**Saudi T20 league is a USD 400 million project backed by Saudi investors
- **▶** IPL and The Hundred franchises generate billions in revenue
- Cricket Australia keen on partnering with Saudi investors

NEW DELHI. The ambitious Saudi T20 league, which is believed to be a USD 400 million project, won't be backed by the BCCI or the England and Wales Cricket Board as they try to protect their respective flagship tourneys from getting diluted, British newspaper The Guardian has reported."During discussions at the World



Test Championship final at Lord's this month, the ECB and BCCI agreed to unite in opposing the new league. The boards agreed they would not issue "no objection certificates" to their players to sign up for the new competition, as well as lobbying the International Cricket Council (ICC) to withhold their endorsement," the newspaper wrote.Apparently Cricket Australia (CA) was keen on partnering with Saudi investors in the league."Under plans that emerged in Australia this year, Saudi's SRJ Sports Investments has pledged to inject USD

400m to set up the new league, which would have eight teams playing four tournaments in different locations each year in a set-up that has been compared to tennis's Grand Slams," Guardian said.

For CA, the main aim is to earn profit from the cash inflow by a private investor as the Big Bash League (BBL) franchises are owned by the governing body and the

However, IPL is a USD 12 billion product and the ECB is all set to get richer by GBP 520m (USD 700 million) from the sale of 49% of the eight 'Hundred franhises'."Cricket South Africa raised more than GBP 100m (USD 136 million) by selling franchises in its SA20 competition to Indian Premier League owners three years ago."The paper also reported that the ICC, currently run by former BCCI secretary Jay Shah, is unlikely to go against the wishes of

Rohit Sharma reveals India wanted November 19 revenge on Australia in T20 World Cup

NEW DELHI. Rohit Sharma revealed that India wanted to knock Australia out of the T20 World Cup 2024 as revenge for losing the final of the ODI World Cup 2023. India were soundly beaten by the Aussies in the final in Ahmedabad on November 19, 2023 as Australia won their 6th ODI World Cup. The Aussies won the match by 6 wickets and defeated India, who were unbeaten throughout the tournament. This left a bad taste in the mouth of the Indian players and the fans, who were eager to see the team win the cup at home. India faced Australia in their final Super 8 match to book their place in the semi-final of the T20 World Cup. The Aussies need to win the match to remain in contention for making it to the final four as they suffered a shock defeat to Afghanistan. However, the loss to India meant that it was Afghanistan and Rohit and his men who went through and the Aussies were sent packing.

Rohit, who starred with the bat and scored 92. revealed the dressing room talk between the players. The former T20I skipper said that Australia had ruined November 19 for them

Why was Jasprit Bumrah's participation not kept a secret Aakash Chopra questions call

Bumrah's workload management was a big question heading into the series and India coach Gautam Gambhir said at the press conference before the series that the pacer spearhead would only play 3 Tests.Gambhir reiterated this while talking to reporters after the loss at Headingley and said that their plan with Bumrah would remain the same. Chopra, speaking on his YouTube channel, wondered if it was really necessary to publicise this, and he suggested that India should have made England play the guessing game."Bumrah said he will play three matches only, and I am thinking whether it was required to publicize it. Why was it not kept a secret? We don't announce our team as well. So why was it necessary to reiterate it repeatedly before the start of the tour that he would play three matches only? Let them guess. You play whichever Tests you wish," said Chopra.Chopra feels that if Bumrah will play the second Test at Edgbaston, then it means he will be part of only one of the

New Delhi. Aakash Chopra has questioned why Jasprit Bumrah's participation in the England to prepare pitches accordingly for have to be prepared'Chopra feels that a new England series wasn't kept a secret, the rest of the series."You have played one, generation of Indian fast bowlers will have and you know you can play only two of the remaining four matches, which is not a good



thing. If you play the second as well, you will play one of three. So, suddenly, the opposition gets into a great frame of mind that Bumrah, your biggest strength, is also not there. You can prepare pitches accordingly," said Chopra. to be prepared as there are doubts about Bumrah's availability, Mohammed Shami is

reaching the end of his career and Mohammed Siraj isn't hitting the levels that were expected from him.

"The next generation of Indian fast bowlers will have to be prepared. It's a serious issue. There were two important pillars of India's good performances away from home. One was batters starting to score runs, but it doesn't work out with that as you need to pick up 20 wickets. So Mohammad Shami and Mohammed Siraj were outstanding with Jasprit Bumrah," said Chopra.I also remember Ishant Sharma, and Bhuvneshwar Kumar's Lord's Test. When there are doubts about Bumrah's availability, who will

take the responsibility going forward, because Mohammad Shami, I think that story is not over, but it is close to an ending. Mohammed Siraj is good, but he hasn't reached the rank of Bumrah or Shami."



and the players wanted to give a 'gift' to Australia. Rohit said that the players knew if they beat Australia, then Aussies would be knocked out of the tournament." Australia had ruined our and the whole country's November 19 in ODI WC Final, so we should also give them a gift. These kinds of things were talked about in the dressing room. We had it in our minds that if we win this match, Australia will be out of this T20 World Cup," said Rohit in the interview with Star Sports.

The win against Australia acted as the catalyst to India's momentum as they went all the way and claimed the T20 World Cup 2024 title by beating South Africa in the final.

Who could join Carlos Alcaraz, Jannik Sinner in new Big Three John McEnroe reveals

-American tennis legend John McEnroe has called for the emergence of a third standout player to join Carlos Alcaraz and Jannik Sinner in forming a new Big Three. He believes that a strong third contender would raise the level of competition and named three rising stars as potential candidates.

New Delhi. The American tennis great, John McEnroe, highlighted how the sport was in need of one more star to rival the towering modern-day stars in Carlos Alcaraz and Jannik Sinner to form the next generation's

'Big-Three'.The term is a fairly common usage to denote the trio of Roger Federer, Rafael Nadal and Novak Djokovic, who ruled the sport for about two decades. With Federer and Nadal having retired and Djokovic already going on a downward spiral in terms of his form, the sport has seen Alcaraz and Sinner emerge as the two best players in the men's singles division. Alcaraz has already begun dominating, with two consecutive Wimbledon and French Open titles and a lone US Open crown in 2022. Similarly, Sinner is also making his mark, with the Australian Open and US Open titles to his name. With Wimbledon set to begin on June 30, later this month, both men will be considered favourites to take home the men's singles title. But the question remains: does anyone have what it takes to rival these two on the court?"It's going to be an interesting time to see if there's another player or two who can break in with those two the way



Novak (Djokovic) did when he was trying to get to the same level as Roger (Federer) and Rafa (Nadal)," McEnroe was quoted as saying by Reuters. The recent French Open final was a testament to how hard-fought the rivalry between the two top stars is. Despite being two sets down, Alcaraz saved three match points and staged a stunning comeback to win the contest, which turned out to be the longest final in French Open history."It shows you what type of player he was that he was able to do that. But right now,

there's a void," he added. WHO CAN RIVAL ALCARAZ-SINNER DOMINANCE?

When it comes to who can rival these two,

McEnroe mentioned some of the younger stars in Jakub Mensik (19), Joo Fonseca (18), and Ben Shelton (22) as his picks."One of those two guys or Ben would be my choice right now," McEnroe said."I think it would be important to get another guy or two to add to the mix. That would be really helpful," he added. Shelton is probably amongst the well-known faces, considering he is placed at 10th in the ATP rankings. His most notable feat was making it to the Australian Open semi-final in 2025. Mensik is still making his way up to the top tiers, but he has already had one win over Djokovic in the Miami Open earlier this year,

in straight sets. It's not every day that the

Serbian legend gets taken down like this, and

it could be a precursor for what to expect later

on in his career.



anhvi Kapoor is a fitness lover and continues to inspire fitness enthusiasts with her dedication to staying fit. The Mr. & Mrs. Mahi star took to social media to give fans a peek into her rigorous workout routine, and it's safe to say — she's not cutting any corners when it comes to training hard. Taking to her Instagram stories, Janhvi shared a photo in which she is doing Pilates. Her trainer Namrata Purohit shared the same photo. Recently, the actress made debut at Cannes red carpet. Her look went viral on social media. Her boyfriend Shikhar Pahariya and sister Khushi also joined her.

Recently, Janhvi Kapoor and Shikhar Pahariya's London getaway has taken over the internet, especially after a heart-melting moment between the rumoured couple went viral. In a video that has now caught fans' attention, Janhvi is seen casually eating from Shikhar's plate, even though the same dish is served to her. Shikhar looks at her affectionately, and Janhvi returns the gaze with a sweet, cheeky smile.

The video was part of a series of photos and clips Janhvi recently shared on her Instagram, giving followers a peek into her vacation. She was seen posing confidently in a black tank top

and green cargo trousers in front of a scenic London bridge. Other photos included wholesome sister moments with Khushi Kapoor, with whom she enjoyed a picturesque picnic by the lakeside and even went horse riding. The adorable moment with Shikhar in the final slide of her post has especially captured fans' attention.

Janhvi had previously spoken

about her relationship with Shikhar Pahariya on Koffee With Karan 8. Host Karan Johar teased her about their on-again, off-again dynamic, to which Janhvi responded, "Have you heard that song, Nadaan Parindey Ghar Aaja? Shikhar used to sing that to me a lot." The actress had also been spotted wearing a necklace bearing his name in the past.Earlier this year, Shikhar accompanied Janhvi to the Cannes Film Festival, where she attended the premiere of her upcoming film Homebound. Directed by Neeraj Ghaywan, the film also stars Ishaan Khatter and Vishal Jethwa.On the work front, Janhvi has a packed schedule. She will be seen in Param Sundari opposite Sidharth Malhotra, Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari alongside Varun Dhawan, and Peddi with Ram Charan.



Gauahar Kha

Offers Duas At Sana Khan's Home

After Mother's Demise

ormer actress and Bigg Boss 6 fame Sana gratitude to her. "No love is more pure and Khan is going through a rough phase in her life as she lost her mother, Saeeda, on Tuesday, due to prolonged illness. In an emotional post, Sana expressed her profound you are, you will always be a chota bacha for grief and the deep pain she has been going them," she added. through. During this time, her close friend and Who Is Sana Khan?

husband Zaid Darbar, arrived at her residence to pay their heartfelt condolences.In a video shared on Instagram, Gauahar, dressed in a white suit, is seen entering the building as her husband follows her. Apart from Gauahar and Zaid, several

close friends like comedian Munawar Faruqui's wife Mehzabeen Coatwala were seen visiting Sana's residence to pay their respects and support the grieving family. Sharing an emotional note on Instagram stories, Sana wrote, "Inna Lillahi Wa Inna Ilaih Rajioon, My beloved mother, Mrs Saeeda, has

returned to Allah after struggling with bad health conditions. Namaz-e-Janaza will be performed at Oshiwara Qabarsthan after isha salat @9:45. Your prayers for my mother will be helpful." Her on Tuesday night in Mumbai.

Sana has always had a strong bond with her mother. In 2023, she shared a heartfelt video of her mother fixing her shoelaces, expressing her respect and unselfish than a mother's love. Had to post this because we often forget the love and sacrifices they make for us," she wrote. "No matter how old

mom-to-be Gauahar Khan, along with her Sana rose to fame after her appearance in Salman



Khan's controversial reality show, Bigg Boss 6. She appeared in a number of films including Jai Ho, Wajah Tum Ho, Toilet: Ek Prem Katha and

mother's funeral and burial ceremony were held. In 2020, she announced her departure from showbiz due to religious reasons and has since adopted a spiritual lifestyle. She is now an entrepreneur and mother of a child with husband, Anas Saiyad.



Sonam Kapoor And Isha Ambani Bring **Star Power To Serpentine Summer** Party, Pose With Cate Blanchett



ollywood star and global fashion icon Sonam Kapoor yesterday visited the Serpentine Gallery and was also announced as Member of the Summer Party Host Committee while attending Arpita Singh's exhibition: Remembering. Following the exhibition, Sonam attended the Serpentine Summer Party, co-hosted by Academy Award Winner Cate Blanchett which is an invitationonly fundraiser designed to bring together leading individuals and supporters of the institution from the worlds of art, fashion, business and technology.

Sonam Kapoor was seen posing with none other than two-time Oscar-winning actress Cate Blanchett. Cate, who is regarded as one of the most accomplished and revered figures in Hollywood, has won Academy Awards for her performances in The Aviator and Blue Jasmine. At the event, she made a bold sartorial statement in an intricately embellished dress featuring seashells, metal accents, and a sculptural hip detail — a look that was nothing short of avant-garde and theatrical, in true Blanchett fashion.

Also in attendance was Isha Ambani, who looked radiant as always in a champagne-toned beaded dress that shimmered in the evening light. The sleeveless dress featured a petal-like pattern, delicate embellishments, and a soft flared hem that added to the dreamy vibe. Isha's soft waves, natural makeup, and sparkling heels completed the look - she truly looked elegant and effortlessly beautiful.

At the Summer Party, Sonam, the global ambassador for the French luxury fashion house Dior, sported a Kimono jacket from the Dior Fall 2025 collection, embracing cultures through the world with her fashion. Others present at the fundraiser included Isha Ambani, Eiza González, Alicia Vikander, Rebel Wilson, Georgia May Jagger, Lady Amelia Spencer, Lady Eliza Spencer, Lily Allen and more.

Esha Gupta Reacts To Being Called A 'Sex Symbol': 'It's Not A Good Title To Have'



ctress and model Esha Gupta has shared her thoughts on being called a "sex symbol" in the industry. The tag, often associated with actresses, is something that she dealt with as people stereotyped her based on her striking features. Speaking to Siddharth Kannan on his YouTube show, Esha expressed her frustration at being associated with "sex."The conversation around this began when the host enquired about the people who tried to pull her down in the industry. She candidly revealed that the agency she was eyeing for a debut with refused to do so because a "director-producer" asked them not to, as they were planning to launch another big artist. The same people also made her feel bad about her looks.

In the beginning, I did not stereotype myself; people did it. And I don't think it was the media either, the media does not do that. You are feeding the media; it is the people who feed the media," she said. Esha further reflected on being called a "sex symbol." She added, "'Sex Symbol', 'Hot', what does that even mean? What is a symbol of sex? Kamasutra is a symbol of sex, it's not Esha."

Esha continued, "If you say Esha Gupta is a sex symbol, then this is something God has given me, something Kamdev has given me. If you are calling me a sex symbol, it's not a good title to have. It's not bad either." She then explained how such stereotyping impacted her, revealing that she became very underconfident about her

Because you feel like, 'Oh, I shouldn't look like this, right? I should look like the girl next door.' Because that's what people keep teaching you, that how you look is not good," she mentioned, pointing out how actresses now get surgeries to look like her. The 39-year-old actress also shared that a guy from the industry asked her to get a nose job done, but she chose to remain confident with the way she looked rather than changing anything. As for her work, Esha, who made her debut with Jannat 2, starring Emraan Hashmi, was last seen on screen in Bobby Deol's Aashram. Reportedly, she has been roped in for Dhamaal 4, featuring Ajay Devgn, Riteish Deshmukh, Arshad Warsi, Sanjay Mishra, Jaaved Jaaferi, along with fresh faces like Sanjeeda Shaikh, Anjali Anand and Upendra Limaye. It is slated to hit theatres on Eid 2026.